नई दिल्ली
रविवार, 21 अप्रैल 2024
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 28, अंक : 10
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 41
न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

महावीर जयंती की मंगलकामनाएं

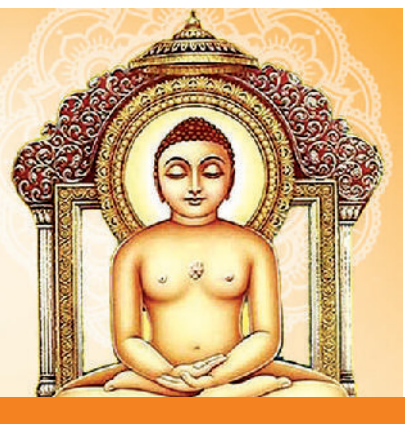

हरिभूमि के लिए दुबई से बीजॉय ओमेन

सरकारी दफ्तरों में लग गए ताले, कई शॉपिंग मॉल बंद

दुबई में 75 साल में पहली बार तबाही वाली बारिश... बुर्ज खलीफा को बंद करना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुबई

आमतौर पर दुबई में बारिश के नाम पर हल्की बौछारें पड़ती हैं, लेकिन सोमवार को दुबई में जो नजारा दिखा, ऐसा नजारा मैंने तो दुबई में कभी नहीं देखा। मैं मूल रूप से भारतीय हूं और 22 साल से यहां रहा हूं। पहली बार यहां पर तबाही की बारिश देखी है। यहां के लोग भी कह रहे हैं 75 साल में कभी ऐसा मंजर देखने को नहीं मिला।

बारिश ऐसी कि बुर्ज खलीफा को बंद करना पड़ा, शापिंग मॉल से लेकर पूरा बाजार बंद हो गया। सरकारी दफ्तरों में ताले लग गए। सरकार ने सरकारी अधिकारियों के लिए आदेश जारी किया, जो जहां पर है, वहीं से वर्क फ्रॉम होम करे और अपना काम करते रहे। दुबई के साथ पूरा संयुक्त अरब अमीरत प्रभावित हो गया। अब जनजीवन वापस पटरी पर लौट रहा है, ⏭शेष पेज 5 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

24 घंटों में तीन साल जितनी बारिश

दुबई में जो बारिश हुई है, उसके बारे में यहां के मौसम वैज्ञानिक बता रहे हैं कि आमतौर पर यहां पर सालभर में 80 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं होती, लेकिन यहां पर महज 24 घंटों में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई है। इसका मतलब तो यह हुआ है कि तीन साल जितनी बारिश 24 घंटों में हो गई है।

एयर इंडिया ने रद्द की उड़ानें

एयर इंडिया ने भारी वर्षा के चलते दुबई के लिए रविवार तक की अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइंस ने कहा, जिन ग्राहकों ने 21 अप्रैल तक यात्रा के लिए उड़ानें बुक की हैं, उन्हें पुनर्निर्धारण पर एक बार की छूट और टिकट रद्द कराने पर पूर्ण रिफंड दिया जाएगा।

अब हालात सुधर रहे हैं

इतनी बारिश की न तो संभावना थी न आशंका। यूं कहिए कि यहां कम बारिश होती है तो तैयारी भी वैसी ही थी। लेकिन इस आपदा से जिस तरह प्रशासन ने निपटा वह सराहनीय ही है। दो दिन में ही सबकुछ सामान्य होने लगा है। पानी उतर गया है। मॉल और शापिंग काम्पलेक्स में फिर से रौनक लौट रही है। शारजाह में कुछ जगह पानी भरने की खबरें हैं लेकिन दुबई में सबकुछ पटरी पर लौट रहा है। शारजाह से बहुत सारे लोग दुबई काम करने के लिए आते हैं और शाम को लौट जाते हैं। शारजाह में पानी भरने का प्रभाव उन पर पड़ रहा है। उम्मीद है यह भी कुछ दिन में ठीक हो जाएगा।

DHIRSONS
JEWELLERS PVT LTD
DHIRAJ DHIR GROUP
₹68500/-
LAJPAT NAGAR-II: D-32, Central Market
New Delhi - 110024. Ph: 47264728

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ओडिशा की महानदी में पलटी नाव, 7 की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी में नाव हादसे में शनिवार तक कुल सात शव बरामद हो चुके हैं। शनिवार को नदी के हीराकुंड जलाशय से पांच और शव बरामद किए गए। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। करीब 50 लोग बारगढ़ जिले के पथरसेनी कुडा स्थित मंदिर के दर्शन करने के बाद नौका से लौट रहे थे। तभी हादसा हुआ। 40 लोगों को मछुवारों ने बचा लिया। बाकी की तलाश जारी है।

तेल अवीव के लिए एयर इंडिया की सारी उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच युद्ध जैसे हालात को देख कर एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए अपनी सारी उड़ानों को 30 अप्रैल, 2024 तक के लिए रद्द कर दिया है। कंपनी ने बताया है कि वह हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और उक्त अवधि के दौरान जिन यात्रियों के आरक्षित टिकट हैं उनके संपर्क किया जा रहा है व आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा रही है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने की मोदी सरकार के तीन नए कानूनों की तारीफ

अब बड़े बदलावों के लिए तैयार है देश नई चुनौतियों के लिए नए तरीके जरूरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य जज डीवाई चंद्रचूड़ ने तीन नए कानूनों बनने और लागू होने को लेकर मोदी सरकार की तारीफ की है।

साथ ही यह भी कहा कि देश नए बदलावों के लिए तैयार है। 17 वी लोकसभा के दौरान तीन अहम कानून संसद द्वार पारित किए गए थे, सीआरपीसी, आईपीसी से लेकर एविडेंस एक्ट खत्म कर तीन नए कानून पेश किए गए थे। ये कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मोदी सरकार के इन तीन नए कानूनों की तारीफ की है।

उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा पेश नए कानूनों को लेकर आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में कहा कि तीन नए कानून समाज के लिए बेहद ही जरूरी है और देश न्याय प्रणाली में ऐसे बदलावों के लिए तैयार भी है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इन 3 नए कानूनों से भारतीय समाज ⏭शेष पेज 5 पर

सीजेआई ने कहा कि इन 3 नए कानूनों से भारतीय समाज में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में अभूतपूर्व बदलाव लाएंगे और पीड़ित पर भी ध्यान दिया जाएगा।

पर हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त रूप से विकसित हो और जांच अधिकारियों को ट्रेनिंग मिले

ये नए कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे

पुराने तरीकों की सबसे बड़ी खामी पीड़ित पर ध्यान न दिया जाना था

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुराने तरीकों की सबसे बड़ी खामी पीड़ित पर ध्यान न दिया जाना था। नए कानून में इस बात का ध्यान रखा गया है कि अभियोजन और जांच कुशलता से हो सके। छापेमारी के दौरान साक्ष्यों की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग अभियोजन पक्ष के साथ साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। सीजेआई ने कहा है कि भारत सरकार ने हाल ही में 7,000 करोड़ रुपए का बजट न्यापालिका के लिए आवंटित किया है, जिसका इस्तेमाल अदालतों के अपग्रेडेशन में किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि नवंबर और 31 मार्च के बीच 850 करोड़ रुपए हार्डवेयर और सॉफ्ट वेयर को अपग्रेड करने में खर्च किए गए हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वह हमेशा से घरेलू डिजिटल कोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की हिमायत करते रहे हैं। सीजेआई ने नए कानूनों के तहत जांच को लेकर कहा कि फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी ⏭शेष पेज 5 पर

आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने कही ये बड़ी बात

भारत ने दुनिया को दिखाई राह, जी-20 अध्यक्ष के तौर पर भूमिका की तारीफ

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान कई प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की बड़ी सराहना की गई है। भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत ने 9-10 सितंबर तक नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इस शिखर सम्मेलन ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों को दूर करते हुए आम सहमति से 37 पेज के ⏭शेष पेज 5 पर

वित्तमंत्री पर विपक्ष ने साधा निशाना

सीतारमण बोलीं-फिर लाएंगे चुनावी बॉन्ड, कांग्रेस भड़की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्तमंत्री ने निर्मला सीतारमण ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में लौटती है, तो वह इलेक्टोरल बांड वापस लाएगी। कांग्रेस ने पूछा कि और कितना लूटेंगे। इधर, राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा यह बयान उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि ये पारदर्शी नहीं हैं और इन्हें गैर-पारदर्शी तरीके से लाया गया था। सिब्बल ने कहा, अब भाजपा के सामने समस्या यह है कि उनके पास इस चुनाव के लिए पैसा है लेकिन वे जानते हैं कि जब वे हारेंगे तो उन्हें पैसे की आवश्यकता होगी। हालांकि, निर्मला जी कह रही हैं (वे) जीतेंगे और इसे (चुनावी बॉण्ड योजना) वापस लाएंगे। निर्मला सीतारमण के इंटरव्यू की एक रिपोर्ट पोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर अपने पोस्ट पर भाजपा पर निशाना ⏭शेष पेज 5 पर

इस सीट पर शुक्रवार को हुआ था मतदान

हार्टअटैक से मुरादाबाद में भाजपा प्रत्याशी सर्वेश सिंह का निधन

एजेंसी ⏭ मुरादाबाद

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल यानी शुक्रवार को संपन्न हो गया। उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ है। मुरादाबाद में भी शुक्रवार को मतदान हुआ। मुरादाबाद लोकसभा सीट से भाजपा ने सर्वेश सिंह(71) को चुनाव मैदान में उतारा है। शनिवार को सर्वेश सिंह का निधन हो गया है। मुरादाबाद से लोकसभा प्रत्याशी सर्वेश सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। एम्स में दिखाने गए, वहां हार्टअटैक आ गया। मुरादाबाद में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव हुआ है। सर्वेश सिंह पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भाजपा के अकेले ठाकुर प्रत्याशी थे।

पीएम से सोमवार को मुलाकात थी तय

मस्क ने टाली भारत यात्रा, वजह है पारिवारिक कारण

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अपनी भारत यात्रा टाल दी है। मस्क इसी वीकेंड भारत की यात्रा करने वाले थे, लेकिन अब उन्होंने पारिवारिक कारणों से यात्रा टाल दी है। उनका भारत के स्पेस स्टार्टअप फाउंडर्स के साथ एक राउंडटेबल कार्यक्रम था। इसके अलावा वह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक भी करने वाले थे। मस्क की भारत यात्रा उनके अमेरिका में एक कार्यक्रम से मेल खा रही थी। मस्क को 23 अप्रैल को टेस्ला की पहली तिमाही के प्रदर्शन के बारे में सवालों का जवाब भी देना है। 10 अप्रैल को एलन मस्क ने सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया था कि वह पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। मस्क की भारत यात्रा की घोषणा से कुछ हफ्ते पहले भारत सरकार ने एक नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण नीति अधिसूचित की थी। इससे सरकार को मेक इन इंडिया के लिए प्रतिबद्ध इलेक्ट्रिक कार कंपनियों को टैक्स रियायत मिलने वाली थी।

कारों में आयात शुल्क कम करने की मांग

नई ईवी नीति ने 15 प्रतिशत आयात शुल्क पर पूरी तरह से निर्मित (सीबीयू) कारों के आयात का रास्ता बना दिया। 2021 में टेस्ला ने नोडल केंद्रीय मंत्रालयों को पत्र लिखकर पूरी तरह से असेंबल की गई कारों पर आयात शुल्क में कटौती की मांग की थी और कार की कीमत के आधार पर शुल्क को 100 प्रतिशत से घटाकर 40-15 प्रतिशत करने के लिए कहा था। नई नीति ने उस मांग को पूरा किया है। देश का ऑटोमोटिव सेक्टर का मार्केट कैप 12.5 लाख करोड़ रुपए का है।

केरल में मना 'त्रिशूर पूरम' उत्सव

इतिहास में पहली बार दिन में आतिशबाजी

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर शहर में प्रसिद्ध वडक्कुनाथन (शिव) मंदिर में 'त्रिशूर पूरम' उत्सव का आयोजन हुआ। शुक्रवार-शनिवार की रात हजारों लोग शामिल हुए। लेकिन केरल सरकार ने रात में होने वाली आतिशबाजी पर रोक लगा दी गई। इसके कारण इस त्योहार के इतिहास में पहली बार आतिशबाजी दिन में करनी पड़ी। इसके कारण हिंदुओं में नाराजगी सामने आई।

बैतूल रैली में नाथ का अलग अंदाज

गर्व से कहता हूं, मैं हिंदू हूं,जय श्री राम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

पूर्व सीएम कमलनाथ ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- वे (भाजपा नेता) भगवान राम के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि उन्होंने (अयोध्या में) राम मंदिर बनाया है। ये राम मंदिर मेरा और आपका है। हम सभी की धार्मिक मान्यताएं हैं। हमें याद रखना चाहिए कि धर्म राजनीतिक अभियान का विषय नहीं है। क्या उनके पास राम मंदिर का पट्टा है? ये मंदिर आपके और हमारे चंदे से बना है। हम धर्म को राजनीतिक मंच पर नहीं लाते। नाथ ने एक रैली को संबोधित करते हुए 'जय श्री राम' के नारे लगाए। रैली में आई भीड़ से इसे दोहराने का आग्रह करते हैं। इस मौके पर कमलनाथ ने कहा कि आज संविधान से छेड़छाड़ का प्रयास किया जा रहा है। संविधान में बदलाव करने की कोशिशें हो रही हैं। भारतीय जनता पार्टी ऐसे प्रयास कर रही है। उनका लक्ष्य संविधान को बदलना है। आपलोग संविधान, प्रजातंत्र के रक्षक हैं। इस चुनाव के यही मायने हैं। कमलनाथ ने कहा कि मैंने छिंदवाड़ा में सबसे बड़ा हनुमान मंदिर बनवाया पर कभी इसका प्रचार नहीं किया।

मंदिर आपके और हमारे चंदे से बना

यूपीएससी में 758 रैंक हासिल करने वाली सागर जिले की सोफिया सिद्दकी की चुनौती भरे सफर की कहानी

इंजीनियरिंग करते हुए मां को खोया, प्रीलिम्स से पहले पिता नहीं रहे पर मैं नहीं हारी, छह प्रयासों के बाद उनका सपना पूरा करके ही मानी

कहानी 4 संघर्ष से सफलता

अम्मी-अब्बू का ख्वाब था कि तुम एक अधिकारी बनो और उस ख्वाब को तुम्हें जरूर पूरा करना है, वह जहां भी होंगे, तुम्हें हमेशा दुआएं दे रहे होंगे।

मधुरिमा राजपाल ⏭ भोपाल

2015 में मैंने अपनी मां को खो दिया। उस वर्ष मैं बीई (सीएस) सेकंड ईयर में थी और उस वक्त ऐसा लगा कि मानो मेरा सब कुछ छिन गया, जीवन में कुछ भी नहीं बचा लेकिन फिर भी मेरे पिता ने मुझे सपोर्ट किया, पढ़ने के लिए मोटिवेट किया और मैंने अपना बी ई कंप्लीट किया और 2018 से मैंने यूपीएससी प्रिपरेशन शुरू की। लेकिन, मुझे क्या पता था कि मेरे और भी इम्तेहान हैं। 2021 में अचानक हार्ट अटैक आने से मेरे पिता भी चल बसे और उसके 15 दिन बाद ही मेरा यूपीएससी प्रीलिम्स एग्जाम था। एक मेंटल ट्रॉमा से मैं उसे वक्त गुजरी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं क्या न करूं? मेरे पिता रिटायर्ड प्रिंसिपल थे और भूगोल के लेक्चरर थे, इस वजह से हम सभी भाई बहनों का पढ़ाई में काफी इंटरेस्ट रहा।

अलग खबर

फोटो- एलबम से माता पिता के साथ सोफिया

2021 में सिर्फ 2 नंबरों से प्रिलिम्स रह गया

2021 का यूपीएससी प्रिलिम्स मेरे मेंटल ट्रामा की वजह से नहीं निकला, मात्र दो नंबर से मैं रह गई और वास्तविकता तो यह थी कि अपने माता पिता को यूं अचानक खो देने के बाद मुझमें वो ताकत नहीं रही थी कि मैं इंडिया के टॉप मोस्ट ⏭शेष पेज 5 पर

उनके जाने के बाद पढ़ाई के लिए मैं एक साल के लिए दिल्ली गई और वहां मैंने अपनी सिविल सर्विस की पढ़ाई की। यह कहना है यूपीएससी 2023 में 758 रैंक लाने वाली सागर जिले की सोफिया सिद्दकी का।

खबर संक्षेप

निगम ने छतों और टेरेस पर चल रहे रेस्टोरेंटों पर कार्रवाई की, लगाई सील

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने करोल बाग जोन अंतर्गत छतों और टेरेस पर अवैध रूप से चल रहे विभिन्न रेस्टोरेंटों पर सख्त कार्रवाई करते हुए सील लगा दी है। सूत्रों की जानकारी अनुसार निगम के अधिकारियों ने शनिवार को करोल बाग जोन के नारायणा औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 में विभिन्न छतों और टेरेस पर अवैध रूप से चल रहे तीन कैफे, रेस्टोरेंट को सील कर दिया। सूत्रों ने बताया कि जिन कैफे, रेस्टोरेंट पर कार्रवाई हुई है उनमें मैसर्स मून मिस्ट कैफे, मैसर्स टोमाटीना कैफे, मैसर्स ताम्बूला बाय बुहू शामिल हैं। इन पर सार्वजनिक रूप से सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोपों के तहत इन पर कार्रवाई की गई है। वहीं निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि राजधानी दिल्ली में विभिन्न जगहों पर अनधिकृत रूप से चलने वाले रेस्तरां की तेजी से पहचान के लिए निगम कर्मचारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। पहचान के बाद इन अनधिकृत रूप से चलने वाले रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारी की माने तो इस अभियान के तहत अगले एक महीने के दौरान कई जगहों पर ऐसे सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा जिन रेस्तरां के पास स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी लाइसेंस नहीं मिलेंगे अथवा तय नियम के विरूद्ध चलाए जा रहे होंगे उन पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। खासकर नियमों के उल्ट जाकर छतों पर चलने वाले रेस्तरां व इससे जुड़े प्रतिष्ठानों में आने वाले लोगों की सुरक्षा के मददेनजर इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत मंडपम में भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव, यातायात परामर्श जारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भारत मंडपम में रविवार को होने वाले भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के लिए यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन को लेकर परामर्श जारी किया है। यातायात परामर्श के मुताबिक, रविवार पूर्वाह्न 10 बजे से भारत मंडपम में भगवान महावीर के निर्वाण की 2,550वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से जैन समुदाय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की संभावना है जिससे भारत मंडपम के आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। परामर्श के मुताबिक, प्रगति मैदान के आसपास सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए, मथुरा रोड और भैरों मार्ग पर किसी भी वाहन को रुकने या खड़ा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जनता के लिए सामान्य प्रवेश की अनुमति नहीं होगी और इन सड़कों पर खड़े किए गए वाहनों को क्रेन की सहायता से हटा दिया जाएगा। परामर्श में कहा गया है कि पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग, पंडारा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग और क्यू-प्वाइंट से यातायात को मोड़ दिया जाएगा।

सौम्या की मां चार दोषियों की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

हाईकोर्ट ने 12 फरवरी को रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत सिंह मलिक और अजय कुमार की सजा कर दी थी निलंबित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टेलीविजन पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर उसकी हत्या के चार दोषियों को दी गई जमानत का विरोध किया है। सौम्या की 2008 में हत्या कर दी गई थी। मामले में चार दोषी उम्र कैद की सजा काट रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 12 फरवरी को रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत सिंह मलिक और अजय कुमार की सजा निलंबित कर दी तथा उन्हें उनकी दोषसिद्धि एवं सजा को चुनौती देने वाली अपीलों के लंबित रहने तक जमानत दे दी। कपूर, शुक्ला और मलिक को 2009 के जिगिशा घोष हत्याकांड में भी दोषी करार दिया गया था और वे अब भी जेल में हैं। सौम्या एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार चैनल में काम करती थीं। दक्षिण दिल्ली के नेल्सन मंडेला मार्ग पर 30 सितंबर को तड़के गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। यह घटना उस वक्त हुई, जब वह दफ्तर से अपनी कार से घर लौट रही थीं। सौम्या की मां माधवी विश्वनाथन द्वारा दायर

याचिका पर न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ के सुनवाई करने की संभावना है। हाईकोर्ट ने 23 जनवरी को दिल्ली पुलिस से चारों आरोपियों की अपीलों पर जवाब देने को कहा था। एक विशेष अदालत ने 26 नवंबर 2023 को रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत मलिक और अजय कुमार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302(हत्या) और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की संबद्ध धारा के तहत उम्र कैद की दो सजाएं सुनाई थी। अदालत ने यह स्पष्ट किया था कि दोनों सजा की अवधि क्रमिक रूप से लागू होगी।

पांचवें दोषी को सिर्फ तीन साल की कारावास की सजा सुनाई गई थी

वहीं, पांचवें दोषी अजय सेठी को आईपीसी की धारा 411 (चोरी की संपत्ति हासिल करना) के तहत तीन साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई गई थी। कपूर के वकील ने दलील दी कि वह पिछले 14 वर्षों और नौ महीनों से हिरासत में है तथा अपील के लंबित रहने तक अदालत से उसकी सजा निलंबित करने का अनुरोध किया। शुक्ला, मलिक और अजय कुमार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अमित कुमार ने भी इनकी सजा निलंबित करने की इसी तरह का अनुरोध किया। सौम्या हत्याकांड के चार दोषियों में, कपूर, शुक्ला और मलिक आईटी पेशेवर जिगिशा घोष की हत्या के मामले में भी दोषी करार दिये गए थे।

बच्चों का पिता गायब, पुलिस कर रही तलाश

पांडव नगर: घर से दो बच्चों के शव बरामद, मां बेहोश मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में महज पांच दिन के भीतर डबल मर्डर की तीसरी वारदात सामने आई है। ईस्ट दिल्ली के पांडव नगर स्थित शशि गार्डन इलाके में घर के अंदर भाई बहन की हत्या कर दी गई। शनिवार दोपहर दोनों ही लाश बंद घर से बरामद हुई। वहीं, मौके पर दूसरे कमरे में बच्चों की मां भी अचेत हालत में मिली। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि बच्चों का पिता गायब है। उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार दोपहर करीब दो बजे पांडव नगर थाने को शशि गार्डन निवासी श्याम जी (42) के लापता होने की सूचना मिली। बताया गया कि उनका घर भी शुक्रवार से बंद है। पुलिस मौके पर पहुंची जहां घर के बाहर ताला लगा मिला। ताले को तोड़ पुलिस दरवाजा खोल घर के अंदर दाखिल हुई। 15 साल का एक लड़का और नौ साल

की लड़की एक कमरे के अंदर मृत हालत में मिले। वहीं दूसरे कमरे में उनकी मां भी अचेत हालत में मिली। उसे फौरन पुलिस ने नजदीकी अस्पताल भिजवाया। क्राइम और एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस को फरार पिता पर वारदात को अंजाम देने का शक है। हत्या और हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी चैक कर रही है। मृतकों के नाम कार्तिक चौरसिया (15) व आस्था उर्फ गुन्नू (9) है। इनकी मां का नाम शन्नू चौरसिया (40) है, उसे एम्स में भर्ती कराया गया है। हालत नाजुक बतायी गई है। दोनों बच्चों की गला दबाकर हत्या करने की आंशका है।

घर के बाहर लगा था ताला

वहीं महिला के ऊपर किसी भारी वस्तु से हमला किया गया था। तीनों को मरा समझ आरोपी घर के बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया था। बच्चों की हत्या कैसे की गई, इसका वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चलेगा। बच्चों के शव एक से दो दिन पुराने होने की शंका हैं। श्याम जी चौरसिया मूलरुप से गली नंबर छह शशि गार्डन, पांडव नगर में रहता था। वह मयूर विहार फेज वन के नजदीक चाय की स्टॉल लगाता था। कार्तिक सरकारी स्कूल में नौंवी कक्षा और आस्था छठी कक्षा में पढ़ते थे। श्याम जी के रिश्तेदार अमृतलाल ने बताया कि परिवार के लोग शुक्रवार सुबह से ही श्याम से संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे। शन्नू का मोबाइल भी बंद जा रहा था। श्याम भी फोन रिसीव नहीं कर रहा था। श्याम का छोटा भाई रामजी शुक्रवार शाम दूसरी मंजिल पर भाई के फ्लैट पर आया था लेकिन ताला लगा देख वापस लौट गया। वह सुबह फिर से आया तो ताला देखकर शक हुआ। साथ ही घर के अंदर से बदबू भी महसूस हुई। भाई के परिवार से कोई संपर्क नहीं होने और कुछ गड़बड़ी का अंदेशा होने पर वह दोपहर को तीसरी बार इस फ्लैट पर पहुंचा। अब उसे ज्यादा बदबू महसूस हुई, जिसके बाद उसने पुलिस को भाई के लापता होने की सूचना दी। अब पुलिस इस दंपति के रिश्ते को लेकर श्याम के परिजनों से जानकारी जुटा रही है। श्याम के अन्य चार भाई भी पांडव नगर व शशि गार्डन एरिया में ही रहते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि घर में लाइट और पंखे ऑन थे। शन्नू की सांसे चल रही थी। उसके शरीर पर चोट के निशान मिले हैं।

लोन का लिंक भेज करते थे ठगी, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मोबाइल पर लोन संबंधी लिंक भेजकर ठगी करने वाले एक गैंग से जुड़े ठग को द्वारका साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम हरिओम शरण (37) बताया गया है। वह आसनसोल, पश्चिम बंगाल का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक नगेन्द्र सिंह नामक शख्स की तरफ से मिली शिकायत पर द्वारका डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस स्टेशन में चीटिंग का केस दर्ज किया गया था। पीड़ित ने बताया कि पिछले साल तीन जुलाई को उसे आईडीएफसी बैंक से एक मैसेज मिला। जैसे ही उसने मैसेज के लिंक पर क्लिक किया तभी उनके बैंक खाते से एचडीएफसी बैंक में 2,81,180 रुपए ट्रांसफर हो गये। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने एचडीएफसी बैंक खाते और केवाईसी विवरण प्राप्त किए।

एटीएम से निकालते थे नकदी

कथित बैंक केवाईसी विवरण में पाए गए पते पर छापेमारी की गई। इसके बाद पुलिस को हरिओम शरण का पता लगा, जिसे पकड़ लिया गया। आरोपी शरण ने अपने दोस्त अमन वर्मा के साथ मिलकर धोखाधड़ी शुरू की थी। ठगी के लिए इस्तेमाल किए गए बैंक खाते उपलब्ध भी उसी ने कराये थे। वह एटीएम से नकदी निकालने के बाद रकम आपस में बांट लेता था। इस एवज में उसे 20 प्रतिशत हिस्सा मिलता था।

तिमारपुर: झगड़ा कर रहे युवकों का विरोध करने पर मार दी थी गोली

क्राइम ब्रांच ने वारदात में शामिल नाबालिग समेत तीन पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने हत्या की कोशिश में शामिल रहे एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। इनमें दो पहले भी कई जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। इनके नाम रोहिणी निवासी रोहन, गोपालपुर निवासी राहुल उर्फ सनी है। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार 1-2 फरवरी की दरम्यानी रात तिमारपुर में फायरिंग की कॉल मिली थी।

पुलिस मौके पर पहुंची तो कॉलर ने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ गांधी विहार में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। पढ़ते समय उसे घर के बाहर झगड़े की आवाज

सुनाई दी। बाहर आकर देखा तो गली में चार लड़के गाली-गलौज कर रहे थे। उन्हें शोर व झगड़ा नहीं करने के लिए बोला तो सभी लड़के नाराज हो गए और उससे झगड़ा करने लगे। तभी एक ने पिस्टल निकाल पीड़ित के दोस्त पर फायरिंग कर दी। उसे पेट में गोली लगी, जिसके बाद घायल को फौरन नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। केस में एक आरोपी को लोकल पुलिस अरेस्ट कर चुकी थी, जबकि बाकी को एक सूचना पर भलस्वा डेयरी एरिया से पकड़ा गया। आरोपी राहुल पहले भी हत्या, हत्या के प्रयास समेत कुल पांच मामलों में शामिल रहा है। रोहन पर भी तीन केस दर्ज थे।

कल्याणपुरी इलाके में इमारत गिरी, राहत कार्य जारी

शनिवार को नई दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में एक इमारत ढहने के बाद राहत कार्य करते पुलिस और स्थानीय लोग। फोटो: एजेंसी

आरोपी 6-7 वर्षों से अवैध हथियारों के निर्माण में था लिप्त

अवैध हथियारों का सरगना धरा, तीन पिस्टल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अंतर्राज्यीय अवैध हथियारों के रैकेट का वांछित सरगना स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। मध्य प्रदेश बेस्ड सरगना दयाल सिंह (34) के पास से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुई। आरोपी को बुरहानपुर, एमपी से पकड़ा गया है।

डीसीपी प्रतीक्षा गोदारा के अनुसार 3 फरवरी को अवैध हथियारों के तस्कर गांधी दास डावर को पकड़ा गया था। उसके पास से

20 पिस्टल बरामद हुये थे। दास ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसे अवैध हथियारों की बरामद खेप दयाल सिंह से मिली थी। दिल्ली में उन हथियारों को दयाल सिंह के ही एक संपर्क को दिया जाना था। पुलिस दयाल सिंह की गिरफ्तारी के लिए गंभीर प्रयास कर रही थी। मध्य प्रदेश में उसके ठिकानों पर कई बार छापेमारी की गई। 18 अप्रैल को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि वांछित अभियुक्त दयाल सिंह अपने किसी परिचित को अवैध असलहे की आपूर्ति करने हेतु सोनिया विहार, दिल्ली के पास आएगा। इसके बाद एक जाल बिछाया गया और आरोपी दयाल सिंह को उपरोक्त मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। दयाल सिंह ने खुलासा किया कि वह एमपी में अपने पैतृक गांव में पिछले 6-7 वर्षों से अवैध हथियारों के निर्माण में लिप्त है। उसने हथियार बनाना अपने पूर्वजों से सीखा था जो कई वर्षों से इस धंधे में लिप्त थे। दयाल सिंह ने बताया कि वह अपने घर पर स्थित भट्टी का उपयोग करके अवैध हथियार बनाता था। एक पिस्टल की कीमत उसे लगभग 1800-2000 रुपये पड़ती है और वह उसे आगे लगभग पांच हजार रुपये प्रति पीस कीमत पर बेचता है।

दर्जनभर से ज्यादा मामलों में शामिल अपराधी दबोचा

छोटी बहन की शादी में लगाया था आपराधिक गतिविधियों से आया पैसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ करीब 14 मामले दर्ज थे। इसने आपराधिक गतिविधियों से काफी संपत्ति भी अर्जित की गई थी। पुलिस जांच में पता चला कि बदमाश ने अपनी छोटी बहन की शादी भी बड़ी धूमधाम से की थी। आरोपी की पहचान अरशद उर्फ सबीम के तौर पर हुई है। इसके पास से एक देसी पिस्तौल, दो कारतूस, एक चोरी की मोटरसाइकिल और पांच लूटे गए मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

एडिशनल सीपी संजय कुमार सेन के अनुसार सूचना मिली थी कि एक अपराधी चोरी की मोटरसाइकिल पर अवैध हथियार के साथ पुराने पांडव नगर बस स्टॉप के पास आएगा। एसीपी राजकुमार शाह

की टीम ने बतायी गई जगह पर ट्रेप लगाया और बाइक पर आए एक संदिग्ध युवक को मुखबिर की निशानदेही पर पकड़ लिया। इसके पास मिली बाइक जामिया नगर इलाके से चोरी की मिली। साथ ही आरोपी से पांच मोबाइल, देसी पिस्टल और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ के दौरान अरशद ने खुलासा किया कि वह दूसरी कक्षा तक पढ़ा है। नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी, डकैती और झपटमारी कर रहा था। वह पिछले साल पांडव नगर में आर्म्स एक्ट के एक केस में अरेस्ट हुआ था। मार्च में ही वह जमानत पर छूटकर बाहर आया। वह खुद का गिरोह बनाने की प्लानिंग कर रहा था।

जेएनयू में कमजोर हो रहा है वामपंथ, स्वतंत्र रूप से चुनाव जीतने के लिए संघर्ष कर रहे संगठन: कुलपति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री डी. पंडित ने कहा है कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक संगठनों की मौजूदगी के कारण विश्वविद्यालय में वामपंथ कमजोर पड़ा है और स्वतंत्र रूप से चुनाव जीतने में संघर्ष के चलते दूसरों से हाथ मिलाने को विवश हो गया है।

जेएनयू की पूर्व छात्रा पंडित ने कहा कि वह किसी राजनीतिक दल से संबंध न रखने वाले छात्रों के तटस्थ निकाय 'फ्री थिंकर्स ग्रुप' के तहत वामपंथ से मुकाबला करती थीं। पंडित ने साक्षात्कार में कहा कि हाल ही में हुए जेएनयू छात्र संघ चुनाव में लगभग 1,500 वोट नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) के पक्ष में पड़ा, जो दर्शाता है कि छात्रों को न तो वामपंथ में रुचि है और न ही दक्षिणपंथ में। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एमफिल और फिर पीएचडी करने वालीं पंडित ने कहा कि समय के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), कांग्रेस समर्थित नेशनल

स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के छात्र संघ ने विश्वविद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जहां कभी पूरी तरह से वाम संगठनों का एकछत्र वर्चस्व हुआ करता था। मार्च में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स फेडरेशन (डीएसएफ), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) के संयुक्त मोर्चा ने इतिहास में पहली बार बीएपीएसए के साथ संयुक्त रूप से जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी और निकटतम प्रतिद्वंद्वी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को हराया था। वाम संगठनों ने मिलकर चुनाव लड़ा था और एबीवीपी को जीत हासिल करने से रोकने के लिए उन्हें अंतिम समय में महासचिव पद के लिए बिरसा आंबेडकर फुले स्टुडेंट्स एसोसिएशन (बीएपीएसए) की उम्मीदवार का समर्थन करना पड़ा था। पंडित ने कहा कि विश्वविद्यालय में वामपंथ कमजोर हो रहा है। पहले एसएफआई, एआईएसएफ स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ते थे। चुनाव जीतने के लिए उन्हें किसी गठबंधन की जरूरत नहीं पड़ती थी। वे किसी भी समूह को हरा सकते थे। मैं उस समय एक स्वतंत्र विचारक थी। हमारे विश्वविद्यालय में एबीवीपी और एनएसयूआई दोनों नहीं थे। अब राजद के छात्र संगठन समेत विभिन्न संगठनों के होने से वामपंथियों को जीत के लिए 10-12 समूहों के साथ की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जेएनयूएसयू चुनाव में महासचिव पद के लिए उम्मीदवार वामपंथी नहीं थीं। वह बीएपीएसए से थीं। वामपंथियों ने एबीवीपी को जीत से रोकने के लिए उनका समर्थन किया था। वह उनकी बात नहीं सुनती हैं, उनका कहना है कि उन्होंने अपने हित के लिए मेरा समर्थन किया। यह इससे पता चलता है कि विश्वविद्यालय में वामपंथ कमजोर हो रहा है।

खबर संक्षेप

एआईएमआईएम उतारेगी दिल्ली में लोकसभा उम्मीदवार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में बसपा के बाद अब दिल्ली में ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भी अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी में लगी है। खबर है कि दो बार निगम चुनावों में किस्मत आजमा चुकी एआईएमआईएम पहली बार सीधे सातों लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। इस बारे में एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शोएब जमई की माने तो राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ मीटिंग में इस मुददे पर चर्चा हुई है। आगामी बैठक में दिल्ली में अकेले या किसी दल के साथ गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने पर भी गंभीरता से विचार होगा। वहीं सूत्रों की मानें तो एआईएमआईएम सात की बजाए मुस्लिम बहुल दो या तीन सीटों पर ही पूरा फोकस करना चाह रही है। यानी पार्टी के आला पदाधिकारियों में चर्चा है कि सात की बजाए अगर तीन सीट चांदनी चौक, नॉर्थ ईस्ट और पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशियों को उतारा जाए तो ज्यादा बेहतर होगा। लगभग इस पर सहमति बन चुकी है। लेकिन अभी सातों सीटों पर उम्मीदवार उतारने पर भी सहमति बन सकती है। बता दें कि नॉर्थ ईस्ट दिल्ली और चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र में मुस्लिम वोट बैंक की संख्या अच्छी खासी है। जबकि पूर्वी दिल्ली सीट पर भी मुस्लिमों की मौजूदगी नजर आती है।

कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर रखा आदेश सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर शनिवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बवेजा ने केंद्रीय जांच एजेंसियों और सिसोदिया के वकील की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित रख लिया। आम आदमी पार्टी के नेता ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के वास्ते दोनों मामलों में अंतरिम जमानत याचिका भी दायर की है। हालांकि सिसोदिया के वकील ने शनिवार को अदालत को बताया कि नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित किए जाने के कारण वह याचिका निरर्थक हो गई है। सीबीआई तथा ईडी का आरोप है कि दिल्ली आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं बरती गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस दिए गए।

'सीएम को इंसुलिन और चिकित्सक के परामर्श से किया जा रहा वंचित'

केजरीवाल को धकेला जा रहा है धीमी मौत की ओर : आप

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन और चिकित्सक के परामर्श से वंचित रखकर तिहाड़ जेल में उन्हें 'धीमी मौत' की ओर धकेला जा रहा है। पार्टी प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित केजरीवाल इंसुलिन दिए जाने और अपने पारिवारिक चिकित्सक से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात कराए जाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन जेल प्रशासन उनके अनुरोध को स्वीकार नहीं कर रहा। भारद्वाज ने जेल में मुख्यमंत्री के रक्त शर्करा स्तर का हवाला देते हुए कहा कि मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि केजरीवाल को धीमी मौत देने की साजिश की जा रही है। उन्होंने केजरीवाल को इंसुलिन देने से कथित तौर पर इनकार करने के लिए तिहाड़ प्रशासन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), केंद्र सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल की भी आलोचना की और कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री पिछले 20-22 साल से मधुमेह से पीड़ित हैं। केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय पर जेल में उनके आहार को लेकर 'संकीर्ण' सोच रखने और राजनीति करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एक अदालत के समक्ष कहा था कि उन्होंने जो खाना खाया वह उनके चिकित्सक द्वारा तैयार किए गए आहार चार्ट के अनुरूप था।

उन्होंने जेल में उन्हें इंसुलिन दिए जाने का अनुरोध किया। केजरीवाल की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा था कि केजरीवाल को उनकी गिरफ्तारी के बाद से उनके शर्करा स्तर को नियंत्रित करने के लिए इंसुलिन नहीं दिया गया है। उन्होंने इसे 'चौंकाने वाला' और 'खतरनाक' बताया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को अदालत के समक्ष दावा किया था कि केजरीवाल चिकित्सकीय आधार पर जमानत का आधार तैयार करने के लिए जेल में प्रतिदिन आम और मिठाइयों जैसे उच्च शर्करा वाले आहार ले रहे हैं, जबकि वह 'टाइप-2' मधुमेह से पीड़ित हैं। सिंघवी ने अदालत से कहा था कि आरोप है कि मैं (केजरीवाल) आम खा रहा हूं... घर से 48 बार भोजन भेजा गया, जिसमें से केवल तीन बार आम भेजे गए। भारद्वाज ने कहा कि अदालत ने केजरीवाल को रक्त शर्करा के स्तर पर दैनिक आधार पर नजर रखने के लिए जेल में एक मशीन का उपयोग करने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह केजरीवाल को खत्म करने की एक साजिश थी ताकि उनके अंग काम करना बंद कर दें और जब वह दो-चार महीने के बाद जेल से बाहर आएं तो गुर्दे, हृदय और अन्य अंगों का इलाज कराने जाते रहें।

देश की जनता को गुमराह कर रही है भाजपा : संजय

नई दिल्ली। आबकारी नीति पर आप व भाजपा के बीच चल रही आरोप प्रत्यारोप व जुबानी जंग में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। संजय सिंह ने शनिवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के नेता झूठ बोल रहे है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोलते हुए कहा कि देश की जनता को गुमराह कर रहे है। शरथ रेड्डी द्वारा भाजपा को रिश्वत दी गई है, जिसका मनी ट्रेल भी दुनिया देख रही है। जबकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बिना सबूतों के ही जेल में बंद कर दिया है। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने शरथ रेड्डी जैसे लोगों से चंदा लेकर उन्हें जमानत देने में लगी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह शराब घोटाला ही पूरी तरह भाजपा की ही साजिश है। शरथ रेड्डी जब पहले कहता है कि उसने किसी को रिश्वत नहीं दी तो ईडी उसकी जमानत का विरोध करती है। इसके कुछ दिनों बाद ही उसे बीमारी के बहाने से जमानत भी दिलवा दी जाती है। संजय सिंह ने कहा कि यह तो शुक्र है जो सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड की सच्चाई सबके सामने लाकर रख दी। नहीं तो किसी को पता ही नहीं चलता कि भाजपा क्या खेल खेल रही है।

महापौर के चुनाव में 'आम' के उम्मीदवारों का करेंगे समर्थन : कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आगामी दिल्ली नगर निगम के महापौर व उपमहापौर के चुनाव को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। इस मुददे पर शनिवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान घोषणा की गई। इस मौके पर कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली की अगुवाई में कांग्रेस ने फैसला लिया है कि दिल्ली के महापौर व उपमहापौर चुनाव में कांग्रेस आप पार्टी का समर्थन करेगी।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने फैसला इसलिए लिया कि दिल्ली नगर निगम में चंडीगढ़ महापौर निगम चुनाव की तरह लोकतंत्र को शर्मशार होने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जागरुक विपक्ष की भूमिका निभाती है न कि मूक दर्शक विपक्ष की बनी रहती है। भारद्वाज ने कहा कि निगम में आगामी 26 अप्रैल को चुनाव होने है। जिसमें आप पार्टी की तरफ से महापौर पद के लिए आप उम्मीदवार महेश खिंची और उप महापौर उम्मीदवार रविन्द्र भारद्वाज का सदन में पूर्ण समर्थन करते हुए अपना वोट उन्हें देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली की जनता के हित में आम आदमी पार्टी से लोकसभा चुनावों में गठबंधन के धर्म को निभाते हुए महापौर और उपमहापौर चुनाव में भी उनके उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है। इस मौके पर मौजूद निगम प्रभारी व पूर्व पार्षद जितेंद्र कुमार कोचर ने कहा कि पिछले दो वर्षों से निगम में सत्ताधारी दल को भाजपा ने स्थायी समिति और जोन कमेटी का गठन नही करने दिया है, जिसका नुकसान दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली की 2.5 करोड़ जनता के स्वास्थ्य, सफाई और स्वच्छ रख-रखाव के लिए दिल्ली नगर निगम जिम्मेदार है। निगम में कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश ने कहा कि वर्तमान हालात में राजनीतिक उथल पुथल में संविधान का हनन हो रहा है। निगम सदन में कांग्रेस पार्टी के निगम पार्षद शीर्ष नेतृत्व के आदेश का पालन करेंगे और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों का मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में पूर्ण समर्थन करेंगे।

कन्हैया कुमार पर कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई आने लगी बाहर, संदीप दिखा रहे है नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस उम्मीदवारों की घोषणा के बाद उनकी पार्टी की अंदरूनी लड़ाई बाहर आने लगी है। सबसे ज्यादा विरोध उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर कांग्रेस द्वारा उतारे गए उम्मीदवार कन्हैया कुमार को लेकर हो रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई एक बैठक में कन्हैया कुमार और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित का आमना सामना हुआ और मामला बिगड़ गया। सूत्रों की मानें तो उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से दावेदार रहे संदीप दीक्षित ने कन्हैया कुमार को बुरा भला कहते हुए बाहरी उम्मीदवार तक बता दिया। वहीं कन्हैया कुमार ने भी प्रतिकार करते हुए संदीप से कह दिया कि आप तो भाजपा की बोली बोल रहे हो। जबकि इस समय प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बावरिया और प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली दोनों मौजूद थे। संदीप व कन्हैया के बीच कहा सुनी पर प्रदेश प्रभारी बावरिया व लवली ने दोनों को समझाते हुए ऐसे व्यवहार पर अपनी नाराजगी भी दिखाई। सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को कन्हैया कुमार पहली बार प्रदेश कार्यालय राजीव भवन पहुंचे थे। इस बैठक में बावरिया व लवली के अलावा संदीप दीक्षित, कन्हैया कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा सहित अन्य नेता मौजूद थे। मामला उस समय बिगड़ा जब बैठक में पहले से ही कन्हैया मौजूद थे और संदीप बाद में पहुंचे। देर से पहुंचे संदीप मंच के सामने की पीछे वाली सीट पर बैठ गए। ऐसे में लवली ने उन्हें जोर देकर आगे बुलाया, जिस पर कन्हैया ने अपनी कुर्सी छोड़ उन्हें बैठने को दे दी। सूत्रों का कहना है कि बस इसी बात पर संदीप नाराज हो गए और कन्हैया को भला-बुरा कहने लगे, यहां तक की उन्हें बाहरी भी कह दिया। जिसके बाद कन्हैया ने जवाब में कहा कि आप तो भाजपा की भाषा में बोल रहे हो। दोनों के बीच मामला बढ़ता देख बावरिया व लवली ने समझा बुझाकर शांत कराया। सूत्रों का कहना है कि इस मामले को दबाया जा रहा है, और पूरी जानकारी पार्टी हाईकमान के पास भेजी गई है। बता दें कि संदीप दीक्षित उत्तर पूर्वी दिल्ली की बजाए चांदनी चौक से टिकट मांग रहे थे। संदीप उत्तर पूर्वी दिल्ली से भी चुनाव लड़ने को तैयार थे। लेकिन कांग्रेस ने चांदनी चौक और उत्तर पूर्वी, दोनों सीटों से ही संदीप को टिकट नहीं दी। संदीप के अलावा इस लोकसभा सीट के कांग्रेसी नेताओं में कन्हैया कुमार को टिकट देने से नाराज है।

तिहाड़ प्रशासन की रिपोर्ट : केजरीवाल ने गिरफ्तारी से महीनों पहले बंद कर दिया था इंसुलिन लेना

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गिरफ्तारी से महीनों पहले इंसुलिन का इंजेक्शन लगवाना बंद कर दिया था और वह साधारण मधुमेह रोधी दवा ले रहे थे। अधिकारियों ने तिहाड़ जेल प्रशासन की ओर से उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को भेजी गई एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए शनिवार को यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने इसके जवाब में कहा कि रिपोर्ट ने भाजपा की 'साजिश' का 'पर्दाफाश' कर दिया है। उन्होंने पूछा कि भाजपा के इशारे पर केजरीवाल को जेल में मारने की साजिश हो रही है। मुख्यमंत्री 12 साल से इंसुलिन ले रहे हैं, तिहाड़ प्रशासन को उन्हें इंसुलिन देने में क्या दिक्कत है? दिल्ली की मंत्री ने यह भी दावा किया कि जेल जाने से पहले केजरीवाल रोजाना 50 यूनिट इंसुलिन लेते थे। अधिकारियों ने तिहाड़ प्रशासन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि केजरीवाल ने कुछ महीने पहले इंसुलिन का इंजेक्शन लगवाना बंद कर दिया था और अपनी गिरफ्तारी के समय, वह 'मेटफॉर्मिन' नामक एक साधारण मधुमेह रोधी गोली का सेवन कर रहे थे।

छात्रों को लगातार अंतराल पर पानी पीने का दिया जाएगा ब्रेक

बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूली बच्चों को राहत देने की कोशिश में दिल्ली सरकार

कुछ नर्म पड़े सूरज के तेवर, बादल छाने से मिली मामूली राहत

नई दिल्ली। एक दिन पहले 39 पार टेप्रेचर की मार के बाद दूसरे दिन शनिवार को सूरज के नर्म कुछ पड़े और आसमान पर छाए बादलों ने भी दिल्ली को राहत प्रदान की। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री तापमान दर्ज हुआ जो इस मौसम का सामान्य स्तर है। जबकि न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस मौसम के सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा रहा। आईएमडी का कहना है कि मामूली राहत मिली है लेकिन रविवार को फिर तापमान 39 या इससे पार दर्ज हो सकता है। जबकि सोमवार को तापमान में कमी की उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन बादल व बूंदाबांदी की संभावना भी बन रही है। आईएमडी की माने तो इस महीने के अंत तक दिल्ली में पारा 41 डिग्री या इससे भी ऊपर पहुंच सकता है। यानी आने वाले दिनों में दिल्ली में भीषण गर्मी लोगों को परेशान करेगी। वहीं मई के महीने की शुरुआत में भीषण गर्मी के साथ ही लू के थपेड़े की भी मार झेलनी पड़ सकती है। अनुमान है कि मई का पूरा महीना दिल्ली को बुरी तरह झुलसाएगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इन दिनों दिल्ली में गर्मी बढ़ती जा रही है, ऐसे में स्कूली बच्चों की परेशानी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने राहत देने की पहल की है। सरकार के शिक्षा निदेशालय ने गर्मी को देखते हुए स्कूलों में कक्षाओं के दौरान छात्रों को लगातार अंतराल पर पानी पीने का ब्रेक दिया जाएगा। जबकि स्कूल में आने जाने के समय धूप से बचने के लिए विद्यार्थी अपने सिर को छाता, टोपी, तौलिया आदि से ढ़कें, इसको लेकर जागरूक किया जाएगा। जानकारी अनुसार दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने इस दिशा में स्कूलों को नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए है। जिसमें स्कूल प्रबंधन के तहत बच्चों के पीने के लिए पर्याप्त मात्रा में साफ पीने का पानी उपलब्ध होना चाहिए। क्योंकि गर्मी के इस दौर में मौसम में दिल्ली में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। जो कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तापमान में वृद्धि के कारण थकावट, डिहाइड्रेशन, दस्त और उल्टी समेत अन्य गर्मी संबंधित बीमारियों की घटनाएं बढ़ती है। निदेशालय ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया कि दोपहर की पाली में संचालित सभी स्कूलों में छात्रों की प्रार्थना सभा से बचें। साथ ही स्कूलों में छात्रों के लिए पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बीच-बीच में पानी के लिए मिले ब्रेक भी दिया जाए। निदेशालय ने कहा कि गर्मी से संबंधित बीमारी के किसी भी मामले की सूचना नजदीकी अस्पताल को दें। निदेशालय ने सभी जिला व जोनल उप शिक्षा निदेशकों को इसका पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

कार्य में लापरवाही बरतने वाले 131 कार्मिकों पर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

आईटीएस कॉलेज के 31 कमरों में 16 अप्रैल से 21 अप्रैल तक चल रहे निर्वाचन कर्मियों के प्रशिक्षिण के क्रम में 20 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत कार्मिकों का दूसरे दिन दोनों पालियों में कुल 3216 कार्मिकों का प्रशिक्षण कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान दोनों पालियों में 40 पीठासीन अधिकारी, 25 मतदान अधिकारी प्रथम, 17 मतदान अधिकारी द्वितीय और 49 तृतीय मतदान अधिकारी सहित कुल 131 कार्मिक अनुपस्थित रहे। प्रभारी कार्मिक अभिनव गोपाल ने सभी 131 अनुपस्थित कार्मिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ दण्डात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गये। कहा कि कार्रवाई के साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षण का समय देते हुए तत्काल प्रभाव से प्रशिक्षण पूरा कराया जाए। प्रशिक्षण के दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया। प्रशिक्षण में अभिनव गोपाल, आईएएस मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में कार्मिक टीम संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया। आईटीएस कैम्पस में बैलेट के माध्यम से मतदान कार्य भी जारी रहा।

प्रशिक्षण के दौरान दोनों पालियों में 40 पीठासीन अधिकारी, 25 मतदान अधिकारी प्रथम, 17 मतदान अधिकारी द्वितीय और 49 तृतीय मतदान अधिकारी सहित कुल 131 कार्मिक अनुपस्थित रहे। जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

विभागीय व दण्डात्मक कार्रवाई के लिए दिए आदेश

अनुपस्थित कार्मिक जल्द लें प्रशिक्षण

गाजियाबाद। आईटीएस कॉलेज के 31 कमरों में 16 अप्रैल से 21 अप्रैल तक चल रहे निर्वाचन कर्मियों के प्रशिक्षिण के क्रम में 20 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत कार्मिकों का दूसरे दिन दोनों पालियों में कुल 3216 कार्मिकों का प्रशिक्षण कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान दोनों पालियों में 40 पीठासीन अधिकारी, 25 मतदान अधिकारी प्रथम, 17 मतदान अधिकारी द्वितीय और 49 तृतीय मतदान अधिकारी सहित कुल 131 कार्मिक अनुपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक सुविधाएं

प्रभारी कार्मिक अभिनव गोपाल ने सभी 131 अनुपस्थित कार्मिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई के साथ दण्डात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कहा कि कार्रवाई के साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षण का समय देते हुए तत्काल प्रभाव से प्रशिक्षण पूरा कराया जाए। प्रशिक्षण के दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया। प्रशिक्षण में अभिनव गोपाल, आईएएस मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में कार्मिक टीम संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया। आईटीएस कैम्पस में बैलेट के माध्यम से मतदान कार्य भी जारी रहा, जिसका लाभ अनेक कार्मिक ने उठाया।

खबर संक्षेप

455 लोगों ने किया अपने घर से मतदान

गाजियाबाद। गाजियाबाद लोक सभा की विभिन्न विधान सभाओं में कुल 1181 इलेक्शन ड्यूटी

सर्टिफिकेट, 120 सर्विस वोटर और 659 को पोस्टल बैलट जारी किया गया है। जिसमें से मोदीनगर का 271 है।अब तक कुल 455 दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

मीनू आंगनवाड़ी वर्कर्स व हैल्पर्स की प्रधान बनीं

फरीदाबाद। आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स यूनियन ब्लॉक बल्लभगढ़ का चुनाव लोक

निर्माण विश्रामगृह में बल्लभगढ़ में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से सीटू के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल मौजूद रहे। चुनाव का संचालन जिला सचिव मालवती ने किया। चुनाव में मीनू प्रधान चुनी गईं।

शराब पीने से मना करने पर मार डाला

फरीदाबाद। दुकान में शराब पीने से मना करने पर युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपियों ने

उसके भाई पर भी हमला किया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सारन थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले 60 फुट एयर फोर्स रोड़ की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार हैं।

स्नैचिंग के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-48 प्रभारी हिमांशु की टीम ने स्नेचिंग के मुकदमे में एक

आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम दीपक है । उसके खिलाफ सेंट्रल थाने में स्नैचिंग की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर का हुआ भव्य स्वागत

लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर रहा सरकार का फोकस

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद सहित देश में सड़कों का जाल बिछाया गया वहीं लोगों को बिजली, पानी, सीवरेज व सडक़ जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य हुए है।

भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि मोदी सरकार के दस वर्षों में देश में नित-नया विकास हुआ है, जहां फरीदाबाद सहित देश में सड़कों का जाल बिछाया गया वहीं लोगों को बिजली, पानी, सीवरेज व सडक़ जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य हुए है। उन्होंने कहा कि कालोनियां में भी विकास का पहिया तेजी से घूमा है, लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए सरकार ने निरंतर प्रयास किए है।

गुर्जर ओल्ड फरीदाबाद की भारत कालोनी में राजेंद्र खारी चेयरमैन द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजक राजेंद्र खारी चेयरमैन के नेतृत्व में गणमान्य लोगों ने बड़ी माला पहनाकर भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत किया। जनसमूह ने गुर्जर को भारी मतों से विजयी बनाकर संसद भेजने का भरोसा दिलाया। भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते हुए श्री गुर्जर ने कहा कि दिल्ली-फरीदाबाद वडोदरा मुंबई एक्सप्रेस वे का निर्माण करवाया। जेवर एयरपोर्ट तक जाने के लिए 1600 करोड़ की लागत से जेवर एक्सप्रेसवे बनाया जायेगा, उसकी पूरी प्लानिंग हो चुकी है। फरीदाबाद, नोएड़ा, गाजियाबाद हाईवे का काम चल रहा है।

खास बातें

- लोगों ने भारी मतों से संसद में भेजने का भरोसा दिलाया
- फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाया जा रहा

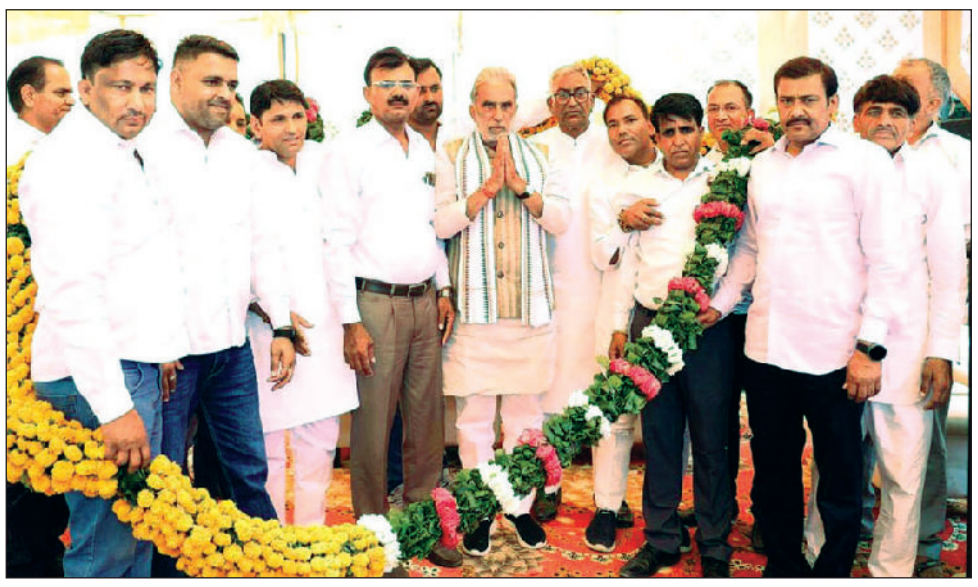

फरीदाबाद की 6 विधानसभाओं में भाजपा ने की रैली, उमड़ा जनसमूह

इसके बनने के बाद नोएड़ा 8 मिनट और गाजियाबाद 25 मिनट में पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि 262 करोड़ की लागत से फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाया जा रहा है। श्री गुर्जर ने कहा कि 24 घंटे बिजली देने का काम भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किया। उन्होंने कहा कि वह छह विधानसभाओं में रैली कर चुके हैं और रैलियों में जिस प्रकार से लोगों का जनसमूह उमड़ रहा है, उससे स्पष्ट हो गया है कि एनडीए के 400 पार का नारा पूरी तरह से सार्थक साबित होगा। इस मौके पर जिला पार्षद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल पाराशर, पूर्व पार्षद सुमेश चंदीला, भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जैजू ठाकुर, अरुण खारी, मास्टर ज्ञान, विरेंद्र एडवोकेट, विकास ठाकुर, ओमप्रकाश चौहान, पप्पी मास्टर, लेखराज वर्मा, विरेंद्र चौधरी, रिषी नागर, प्रदीप मास्टर, विनोद अंबावता, लखमी सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री गुर्जर की उपस्थिति में

जजपा नेता समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद की सेक्टर 8 हुडा मार्किट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय सांस्कृतिक विरासत को फिर से विश्व स्तर पर स्थापित करने और भारत की अर्थव्यवस्था को चोटी पर पंहुचाने के कार्य में जुटे हैं।

देश के विकास के साथ मोदी जी को गरीब की चिंता है, इसलिए श्री मोदी लगातार महिला, युवा, किसान और गरीब इन सभी वर्गों को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। देश की जनता को पूर्ण विश्वास है कि मोदी जी ही तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने जजपा नेता पूर्व पार्षद कुलदीप तेवतिया को भाजपा का पटका पहनाकर भाजपा में शामिल किया। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि बड़ा खुशी का दिन है कि छोटा भाई कुलदीप तेवतिया भाजपा परिवार लौटा है, मैंने कभी कुलदीप को अपने भाजपा परिवार से अलग नहीं माना। मेरा और इनका मिलना जुलनाए काम में एक-दूसरे का सहयोग करना पहले भी जारी था। कुलदीप कभी मन से दूर नहीं रहा, आज पार्टी में आने के बाद पहले की तरह पार्टी में इनको पूरा मान, सम्मान, आदर मिलेगा। दोनों भाई मिलकर पार्टी को आगे बढ़ाएंगे और भाजपा एवं मोदी जी के हाथ को मजबूत करेंगे।

कुलदीप ने कहा-हमेशा भाजपा के साथ रहे

भाजपा की सदस्यता लेने के बाद कुलदीप तेवतिया ने कहा कि वो हमेशा से भाजपा के अपने परिवार में रहे हैं। कुछ समय के लिए पड़ोस में चले गए थे, लेकिन मन नहीं लगा और आज घर वापसी कर भाजपा को ज्वाइन कर लिया। भाजपा ने हमेशा हमें मान, सम्मान दिया है, भाजपा ने मुझे पार्षद बनाया, मेरे भाई को भी टिकट दी और वो भी पार्षद बने।

रिफ्लेक्टर टेप लगाकर

वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

यातायात पुलिस द्वारा आज ट्रैक्टर ट्रॉली एवं अन्य भारी वाहनों सहित करीब 300 वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर 550 से अधिक वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

रात के समय होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार ऐतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में यातायात पुलिस भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालन के प्रति जागरूक किया । फरीदाबाद पुलिस द्वारा करीब 300 ट्रैक्टर-ट्रालियों एवं अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई । वाहनों को एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी व धीमी गति से चलाने के लिए प्रेरित किया तथा इस दौरान अनेक वाहनों पर लगी पुरानी टेप उतरवाकर नई रिफ्लेक्टिव टेप लगाई गई।

जनता को मोदी की गारंटी पर भरोसा

अगले 5 वर्षों में मेडिकल के क्षेत्र में अग्रणी होगा गुरुग्राम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं गुरुग्राम लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के मीडिया प्रमुख गजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरुग्राम लोकसभा की जनता को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। 10 वर्षों में गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र का कायापलट हुआ है। भाजपा के प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुग्राम के विकास के लिए पूरी ईमानदारी व कर्मठता से प्रयास कर जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अगले पांच साल स्वर्णिम काल के रूप में इतिहास में अंकित होंगे।

उन्होंने कहा कि 10 सालों में अनेक मेगा प्रोजेक्ट लाने का श्रेय राव इंद्रजीत सिंह को जाता है। डबल इंजन सरकार ने गुरुग्राम में एम्स, शीतला माता मेडिकल कालेज व अस्पताल का निर्माण कराया ।

चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की

एनआईटी क्षेत्र में आईटीबीपी जवानों ने पुलिस बल के साथ निकाला फ्लैग मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

डीसीपी एनआईटी कुलदीप सिंह के नेतृत्व में एनआईटी जोन में स्थानीय पुलिस बल एवं आईटीबीपी इंस्पेक्टर श्रीकांत की टीम के साथ फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था काम रखना के लिए जागरूक किया। यह फ्लैग मार्च में डीसीपी एनआईटी कार्यालय से चलकर बीके गोल चक्कर, हार्डवेयर चौक, प्याली, डबुआ, 60 फीट रोड़, चाचा चौक, बाबा मंडी, सरूरपुर चौक, संजय कॉलोनी, मछली मार्केट, गौंछी, सेक्टर-56, राजीव कॉलोनी, सेक्टर-55, सोहना रोड, मुजेसर फाटक, बाटा फ्लाईओवर, थाना कोतवाली के सामने से होते हुए नीलम चौक, सलूजा पेट्रोल पंप, पांच नंबर मार्केट से डीसीपी एनआईटी कार्यालय पर समाप्त हुआ।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह के नेतृत्व में आटीबीपी अर्धसैनिक बल के साथ एनआईटी जोन के में फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन को भयमुक्त होकर मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जेसीबी की सहायता से अग्निशमन दल ने आग पर पाया काबू

खोड़ा संडे बाजार में कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग लाखों का माल जलकर हुआ खाक, मची अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

खोडा कॉलोनी स्थित एसआर हॉस्पिटल के नजदीक सन्डे मार्केट में कबाड़ के गोदाम में आग भीषण आग लग गयी। जिसमें लाखों रुपए का माल जलकर खाक हो गया। इस दौरान इलाके में अफरातफरी मची रही।

जिला अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि फ़ायर स्टेशन वैशाली में 3:14 बजे खोडा कॉलोनी में स्थित एसआर हॉस्पिटल के पास, संडे मार्केट स्थित कबाड़ के गोदाम में आग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली से मुख्य अग्निशमन अधिकारी, फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन अधिकारी सहित 3 फायर टैंकर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुए।

घटनास्थल पर जाकर देखा तो आग काफी तेज़ी से फैल रही थी और काला धुआं बहुत तेज था। फ़ायर यूनिट ने शीघ्रता से होज लाइन फैलाकर फ़ायर फ़ाइटिंग करना शुरू कर दिया, तुरन्त मौके की नजाकत को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशानुसार फायर स्टेशन कोतवाली से 3 फायर टैंकर, फायर स्टेशन साहिबाबाद से 2 फायर टैंकर तथा 2फायर टैंकर जनपद गौतमबुद्धनगर से घटनास्थल पर बुलाये गये। इस अग्निकांड में कुल 10 गाड़िया लगी है, कबाड़ का गोदाम काफ़ी बड़े क्षेत्र में स्थित था। जिससे कुछ वाहनों में भी आग लगी थी, जेसीबी की सहायता से सामान को इधर-उधर कर आग को चारों तरफ से आग बुझाई गई।

यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में चमके देहात के छात्र

अनस ने 10वीं में चौथा, काजल व निशा ने हासिल किया 7वां स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम में देहात के छात्रों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पूर्ण ज्ञानांजलि इंटर कॉलेज के छात्र अनस ने हाईस्कूल में चौथा स्थान हासिल किया। श्री हंस इंटर कॉलेज की हाईस्कूल की छात्राएं काजल और निशा ने भी संयुक्त रूप से जिले में सातवां स्थान पाया। मेधावियों को कॉलेज में सम्मानित किया गया।

असालतनगर स्थित पूर्ण ज्ञानांजलि कॉलेज के छात्र अनस ने 600 में से 565 अंक (94%) हासिल किए। कॉलेज के प्रबंधक योगेंद्र चौधरी ने छात्रों को बधाई दी। अनस ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए इंटरनेट की सहायता ली, लेकिन परीक्षा से दो महीने पूर्व मोबाइल से दूरी बना ली थी। वह सिविल सेवाओं की तैयारी करना चाहते हैं। श्री हंस कॉलेज के प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने बताया कि हाईस्कूल में काजल रानी ने 93.5, निशा ने 93.5 फीसदी अंक प्राप्त किए। दोनों ने संयुक्त रूप से जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया। इंटर में हर्ष ने 92.4 फीसदी अंक प्राप्त किए हैं। सभी मेधावी छात्रों को कॉलेज बुलाकर मुंह मीठा कराया गया। काजल और निशा उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बनना चाहती हैं। नगर के अधिकतर स्कूल और कॉलेज का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

खबर संक्षेप

अयोध्या राममंदिर दर्शन के लिए विशिष्ट पास बहाल

अयोध्या। राम मंदिर ट्रस्ट ने रामनवमी मेले में भारी भीड़ आने की संभावना के मद्देनजर 18 अप्रैल

तक वीआईपी दर्शन व पास के माध्यम से होने वाले दर्शन पर रोक लगाई थी। अब सुगम दर्शन विशिष्ट पास व आरती पास की सुविधा बहाल कर दी गई है। विशिष्ट व सुगम दर्शन सुबह 7:00 से रात 9:00 बजे के बीच दो-दो घंटे का अलग अलग स्लॉट मिलता है । सुगम व विशिष्ट लगभग 600पास दिए जाते हैं। इसमें रामलला का भोग मंगल व शायन आरती शामिल है।

ललन सिंह ने मुंगेर से दाखिल किया नामांकन

मुंगेर। जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने मुंगेर संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी समेत बिहार एनडीए के कई नेता मौजूद रहे।नामांकन भरने से पहले मुंगेर में आशीर्वाद जुलूस निकाला गया, जिसमें एनडीए के कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। ललन सिंह सबसे पहले मां चंडिका स्थान मंदिर पहुंचे, जहां पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया।

सनकी पिता ने किया चाकू से वार, एक की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक सनकी पिता ने अपनी ही बेटी को मौत के घाट उतार दिया। उसकी दो बेटियां हैं, उसने दोनों पर चाकुओं से वार किया। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी अभी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रही है।घटना के बाद बच्ची को तुरंत एसकेएमसीएच अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां एक बच्ची ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, दूसरे का इलाज जारी है।

यूपी बोर्ड 10वीं, 12वीं का रिजल्ट जारी, 10वीं में प्राची 12वीं में शुभम अव्वल

शुभम वर्मा बनना चाहते हैं प्रशासनिक अधिकारी तो प्राची निगम इंजीनियरिंग में बनाना चाहती हैं अपना करियर

उत्तर प्रदेश बोर्ड 10वीं और 12वीं रिजल्ट जारी कर दिया गया है। 52 लाख छात्रों की कॉपियां 30 मार्च तक चेक की गई थीं। परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के बाद बोर्ड ने आधिकारिक वेबसाइट पर रिजल्ट जारी किया है।

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं रिजल्ट का जारी कर दिया गया है। 10वीं क्लास में 89.55% छात्र पास हुए हैं, इनमें 93.40% लड़कियां और 86.05 लड़के शामिल हैं। वहीं अगर 12वीं बोर्ड रिजल्ट की बात करें तो इंटर बोर्ड का ओवरऑल उतीर्ण प्रतिशत 82.60% रहा है, जिसमें 88.42% लड़कियां और 77.78% लड़के शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट्स पर दोनों कक्षाओं के नतीजे जारी किए हैं। बोर्ड के निदेशक (माध्यमिक शिक्षा) एवं यूपी बोर्ड के अध्यक्ष महेंद्र देव एवं सचिव दिब्यकांत शुक्ला ने प्रयागराज में स्थित बोर्ड मुख्यालय से मीडिया के माध्यम से नतीजे जारी किए।

परिणाम घोषित होने के बाद यूपी बोर्ड ने 10वीं के प्राची निगम ने पूरे राज्य में टॉप किया है। प्राची को 600 में से 591 अंक प्राप्त हुए हैं यानी 98.50%, वहीं दीपिका सोंकर 590 अंक यानी 98.33% प्राप्त कर दूसरे स्थान पर तथा नव्या स्वाति, दिपांशी व अर्पित को 588 यानी 98.33% प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे ।

खास बातें

- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने अपनी अधिकारिक वेबसाइट्स पर नतीजे जारी किए
- 10वीं में प्राची को मिले 98 .50%
- 12वीं में शुभव को 97 .80% अंक प्राप्त हुए

सीएम योगी ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों को दी बधाई

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। साथ ही उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हुए परिश्रम, लगन और धैर्य बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

सफलता के लिए नियमित पढ़ाई जरूरी

हाईस्कूल की परीक्षा में टॉप करने वाली प्राची निगम इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहती हैं। उन्होंने सफलता का श्रेय माता पिता और गुरुजनों को दिया है। प्राची ने कहा कि उनकी सफलता के पीछे नियमित पढ़ाई है। ऐसा कोई दिन नहीं है जब उन्होंने तय टाइम टेबल से पढ़ाई ना की हो। प्राची ने कहा कि नियमित पढ़ाई करना और किसी प्रकार का तनाव न लेना ही सक्सेज मंत्र है।

12वीं में शुभम वर्मा टॉपर

यूपी बोर्ड परीक्षा में सीतापुर जिले के बच्चों ने प्रदेश में नाम ऊंचा किया। दसवीं और 12वीं की सूची में जिले के कई बच्चों ने जगह बनाई है। शुभम वर्मा 489/500 97.80 % के साथ 12वीं टॉप किया है ।बाहरवीं की परीक्षा में टॉप करने वाले शुभम वर्मा ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ गुरुजनों को भी दिया है। वहीं विष्णु चौधरी, काजल सिंह, राज वर्मा,कशिश मौर्य, चार्ली गुप्ता एवं सुजाता पांडेय 488/500 97.60 % अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर रहे, वहीं शीतल वर्मा 487/500 97.40 % तीसरे स्थान प्राप्त किया।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान के राजसमंद में कहा-

राजस्थान सत्य की आवाज के साथ चलता है और मैं सत्य का पथिक

राजस्थान में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए पार्टियां जोर लगा रही हैं। भाजपा की ओर से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान के राजसमंद में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। वहीं जोधपुर में रोड शो किया। कहा कि विपरीत परिस्थिति में धैर्य न खोकर महाराणा प्रताप लड़ते रहे।

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

राजसमंद में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने राजसमंद की धरती को नमन करके अपने संबोधन की शुरुआत की।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपरीत परिस्थिति में धैर्य न खोकर महाराणा प्रताप लड़ते रहे। उन्होंने स्वधर्म का झुकने नहीं दिया था। देश के लिए और मातृभूमि के लिए लड़ते रहे। इसके लिए उन्हें कष्ट सहना पड़ा था। उनके इस तप का ही परिणाम था कि उस समय की सबसे बड़ी ताकत अकबर को उन्होंने घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। इस पावन धरा को इसलिए हम कोटि-कोटि नमन करते हैं। उन्होंने कहा एक बार फिर देश राजस्थान का आह्वान कर रहा है।

मोदी जी नेतृत्व में भारत को पिछले 10 साल में बदलते हुए देखा

उन्होंने कहा कि आपने दस वर्ष में भारत को बदलते हुए देखा हुआ है। मोदी जी नेतृत्व में भारत को बदलते हुए देखा है। आज सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आज कोई विधर्मी सीमा में गड़बड़ नहीं कर सकता। भारत के अंदर नक्सलवाद और आतंकवाद की समस्या का समाधान हुआ है। कहीं भी पटाखा तेजी से फूटे तो पाकिस्तान सफाई देता है कि इसके पीछे मेरा हाथ नहीं है। ये भय है दुश्मन के मन में, क्योंकि दुश्मन को मालूम है कि अगर किसी घटना में उसका हाथ होगा तो उनको लेने के देने पड़ जाएंगे। इसलिए वो भय के मारे पहले ही सफाई दे देता है। योगी ने कहा कि लोग मुझसे पूछते हैं कि आपको राजस्थान में इतना प्यार क्यों मिलता है। मैंने जवाब दिया कि मैं सत्य का पथिक हूं और राजस्थान उसी सत्य की आवाज को लेकर आगे बढ़ता है।

योगी की रविवार को बिलासपुर में कल चुनावी सभा

21 अप्रैल को एक दिवसीय प्रवास पर योगी आदित्यनाथ छत्तीसगढ़ जाएंगे। बिलासपुर लोकसभा के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के स्व. बीआर यादव स्टेडियम बहतराई में उनकी चुनावी सभा होगी। दरअसल, हिंदुत्व व राम मंदिर के मुद्दे को जीवंत रखने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्टार प्रचारक बनाया है। यही वजह है कि एक ही दिन में सीएम योगी बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ के कई लोकसभा में दौरा करेंगे।

करनाल में सीएम नायब सैनी का ऐलान

फसल नुकसान की भरपाई को खोला जाएगा मुआवजा पोर्टल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल में शुक्रवार को हुई बारिश व ओलावृष्टि से गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल के इंद्री एरिया में ओलावृष्टि से खराब हुई किसानों की फसल का जायजा लेने पहुंचे। यहां किसानों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है। किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसानों की खराब फसल के लिए सरकार की ओर से विशेष गिरदावरी करवाई जाएगी और किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। फसलों का जायजा लेने के बाद उन्होंने ओलावृष्टि से हुए किसानों के नुकसान की भरपाई को लेकर क्षतिपूर्ति पोर्टल खोले जाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही संबंधित तहसील अधिकारियों व पटवारियों को भी फसलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों के नुकसान की भरपाई की जा सके।

दिक्कत नहीं आने देंगे

दमनहेडी गांव में मुख्यमंत्री ने खेतों पर जाकर ओलावृष्टि और बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा अधिकारियों को दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। गांव में इयूटी लगा दी है। ओलावृष्टि थोड़े से क्षेत्र में ही है, इसलिए पटवारी को गांव में भेज कर गिरदावरी कराई जा रही है। किसान भी अपने नुकसान को क्षतिपूर्ति पोर्टल पर पंजीकृत करें दो-तीन दिनों के अंदर गिरदावरी पूरी होने के बाद मुआवजा मिलना शुरू हो जाएगा। किसी भी किसान को किसी भी तरीके की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी, जिसका भी नुकसान हुआ है उसे हर किसान को मुआवजा मिलेगा।

पीएलएफआई के एरिया कमांडर सहित दो सदस्य गिरफ्तार, एके-47 सहित अन्य हथियार जब्त

रांची। झारखंड पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। दरअसल, शनिवार को पुलिस ने पश्चिमी सिंहभूम जिले से प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर सहित दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से दो-दो एके-47 राइफल भी जब्त की गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोईलकेरा और आनंदपुर थाना क्षेत्रों में पीएलएफआई एरिया कमांडर सोमा हेम्ब्रम उर्फ नाजोम की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसपी शेखर ने बताया कि सूचना मिली थी कि हेम्ब्रम और उसके सहयोगी विकास परियोजनाओं को बाधित कर रहे थे।

पेज एक का शेष

दुबई में 75 साल ...

लेकिन शारजाह के दो स्थानों पर अब भी पानी भरा हुआ है। दुबई में 22 साल से रह रहे भारतीय बी जॉय ओमेन ने हरिभूमि को बताया कि मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि दुबई में बारिश का ऐसा नजारा देखने को मिल सकता है। बारिश इतनी तेज जिसके बारे में कम से कम दुबई में तो संभावना नहीं थी। ऐसी खतरनाक बारिश तो बस अपने देश भारत में होती है। एक बार तो लगा कि कहीं हम भारत में तो नहीं हैं। बारिश इतनी ज्यादा तेज और भयानक थी कि सड़कें डूब गईं। एयरपोर्ट, दफ्तरों, घरों में पानी घुस गया। शॉपिंग मॉल में पानी घुस गया। सब कुछ बंद करना पड़ा। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई। सड़कों पर खड़ी कारें डूब गईं।

अब बड़े बदलावों...

में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में अभूतपूर्व बदलाव लाएंगे और पीड़ित पर भी ध्यान दिया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि पुराने क़ानून की सबसे बड़ी खामी उनका बहुत पुराना होना था। वो क़ानून 1860, 1873 से चले आ रहे थे। सीजेआई ने कहा कि नए कानूनों का संसद से पारित होना इस बात का साफ संदेश है कि भारत बदल रहा है और हमें मौजूदा चुनौतियों के लिए नए तरीके चाहिए।

पुराने तरीकों की सबसे ...

जांच में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून नई जरूरतों के लिए हैं लेकिन हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त रूप से विकसित हो और जांच अधिकारीयों को ट्रेनिंग मिले।

भारत ने दुनिया को ...

घोषणा पत्र को अपनाया और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के मौके पर बताया कि वैश्विक स्तर के लिए प्रासंगिक कई मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 में भारत की अध्यक्षता की व्यापक सराहना हो रही है। सेठ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक हालात के बावजूद निरंतर खपत तथा निवेश के मामले में पिछले साल मजबूत वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने विश्व बैंक समिति को बताया कि वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान जिसे दूसरे अग्रिम अनुमान में 7.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, अजय सेठ ने विकास समिति को बताया कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की निरंतर वृद्धि के अनुरूप भारतीय पूंजी बाजार वित्त वर्ष 2023-24 में उभरते बाजारों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक बना हुआ है।

सीतारमण बोलीं...

साधा। उन्होंने लिखा-वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि यदि भाजपा सत्ता में लौटती है, तो वह इलेक्टोरल बांड वापस लाएगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए अवैध घोषित कर दिया है!

2021 में सिर्फ 2 ...

एग्जाम को क्रैक कर पाऊं। लेकिन उस वक्त मेरे बड़े भाई बहनों ने मुझे सपोर्ट किया और आगे पढ़ने के लिए मोटिवेट किया, उन चारों ने मुझे समझाया कि अम्मी-अब्बू का ख्वाब था कि तुम एक अधिकारी बनो और उस ख्वाब को तुम्हें अब जरूर पूरा करना है, वह जहां भी होंगे, तुम्हें हमेशा दुआएं दे रहे होंगे। बस अपने परिवार के हौसले की वजह से मैंने हार नहीं मानी और साल 2023 में यूपीएससी एग्जाम पूरी शिद्दत से दिया और मेरा प्रीलिम्स निकाला और उसके बाद मैंस और इंटरव्यू निकाला और इस प्रकार अपने छठे और अंतिम प्रयास से मैंने यूपीएससी इम्तेहान पास किया।

राजद की सोच एसटी-एससी विरोधी:चिराग

पटना। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शनिवार को राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद की

सोच एसटी-एससी विरोधी है। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज के लोग इनके साथ नहीं हैं। पटना में में मीडिया से चर्चा करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि पहले चरण में बिहार की चार सीट पर जिस तरीके से रुझान सामने आ रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि सभी सीट एनडीए के खाते में आ रही है। कहा कि सभी घटक दल ने ईमानदारी से प्रचार-प्रसार किया। अपने मुद्दों को लेकर जनता के बीच गए और मतदान के बाद जिस तरीके से रुझान आने लगे हैं, स्वाभाविक है जो फीडबैक निकलकर सामने आ रहा है, उसके आधार पर बिहार के सभी चार सीट पर एनडीए के प्रत्याशी की जीत होगी। पासवान ने कहा कि विपक्षी खेमे में निराशा है पहले चरण की वोटिंग के बाद एनडीए को बढ़त मिलनी शुरू हो गई है। कांग्रेस का कोई बड़ा नेता, वाम दल का कोई बड़ा नेता प्रचार-प्रसार में नहीं आया।

दिसंबर 2024 तक राममंदिर निर्माण कार्य पूरा करने लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या।

निर्माणाधीन राम मंदिर को पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया गया है। मंदिर निर्माण समिति ने दिसम्बर 2024 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने दिसम्बर तक मंदिर का कार्य पूरा होने का दावा किया है।प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम नवमी उत्सव संपन्न हो गया है। अब मंदिर निर्माण में शेष कार्यों को किया जा रहा है। ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि भूतल पर लगे खंभों में मूर्ति नक्काशी के लिए 200 कारीगरों को लगाया गया है। प्रथम तल का कार्य भी लगभग पूरा हो गया है। दिसम्बर से पूर्व राम दरबार को भी गर्भगृह में स्थापित कर दिया जाएगा। अंतिम सप्ताह तक द्वितीय तल, तृतीय तल और शिखर का निर्माण भी लगभग पूरा हो जाएगा। इसके लिए लगभग 1200 वर्कर लगाए गए हैं। 800 मीटर लंबे परकोटे का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसमें परिक्रमा पथ और छह देवी देवताओं के भी मंदिर का निर्माण हो रहा है। 2000 मजदूर लगे हैं। अब इनकी संख्या को बढ़ा कर 5000 किया जाएगा। इसके लिए एलएंडटी और राजकीय निर्माण निगम को निर्देशित किया गया है। परिसर में आठ और मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

दूसरे चरण की वोटिंग से पहले बसपा को झटका

बरेली से छोटेलाल गंगवार और आंवला से सत्यवीर का पर्चा खारिज

लखनऊ। दूसरे चरण की वोटिंग से पहले बरेली में बसपा को तगड़ा झटका लगा है। बरेली लोकसभा

सीट से बसपा उम्मीदवार छोटेलाल गंगवार का जांच के दौरान पर्चा खारिज कर दिया गया है। नामांकन पत्र में कमियां बताते हुए उसे खारिज किया गया है। वहीं दूसरी ओर आंवला में बसपा के सिंबल पर चुनाव लड़ने वाले सत्यवीर का भी पर्चा खारिज कर दिया गया। सत्यवीर शनिवार सुबह तक खुद को बसपा का उम्मीदवार बता रहे थे, लेकिन बसपा ने आंवला में आबिद अली को उम्मीदवार बनाया हे। सत्यवीर बसपा का फर्जी लेटर लगाकर अपनी उम्मीदवारी जता रहे थे। शनिवार को बसपा प्रमुख ने सिंबल आबिद अली को दिया तो उम्मीदवारी को लेकर चल रहे कयास भी खत्म हो गए।

खिलाड़ियों के साथ खाई मड़ुआ की रोटी

रांची के गांव में फुटबॉल खेल रही लड़कियों के बीच अचानक पहुंचे मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर

एजेंसी ▶▶ रांची

रांची के ओरमांझी में फुटबॉल खेलने वाली दर्जनों लड़कियां भारत रत्न पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजली तेंदुलकर को अपने बीच पाकर खुशी से उछल पड़ीं। ये लड़कियां "युवा" नामक संस्था की ओर से फुटबॉल का प्रशिक्षण लेती हैं। इनमें से कई लड़कियों ने फुटबॉल में नेशनल-इंटरनेशनल स्तर पर जगह बनाई है। अब "सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन" ने भी फुटबॉलर तैयार करने वाली इस संस्था को प्रमोट करने का जिम्मा उठाया है। ओरमांझी के ग्रामीण मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने के लिए इकट्ठा हुई इन लड़कियों को खबर नहीं दी गई थी कि सचिन खुद यहां आने वाले हैं। ऐसे में जब वह दोपहर अपनी पत्नी अंजली के साथ जैसे ही यहां पहुंचे, पूरे इलाके में तेजी से खबर फैली। फुटबॉलर लड़कियों के साथ-साथ इलाके के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए।

रांची के ओरमांझी में फुटबॉल खेलने वाली दर्जनों लड़कियां शनिवार दोपहर भारत रत्न पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजली तेंदुलकर को अपने बीच पाकर खुशी से उछल पड़ीं।

झारखंड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि उन्हें लगातार तराशा जाए। वे देश का नाम रोशन करेंगे। ओरमांझी से लौटने के बाद सचिन तेंदुलकर ने चुनाव आयोग के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर रांची में मतदाताओं से वोटों के इस्तेमाल की अपील की। उन्होंने कहा कि एक-एक वोट महत्वपूर्ण है, इसलिए हर व्यक्ति वोट करने जरूर जाए।

मास्टर ब्लास्टर ने भी किसी को निराश नहीं किया। उन्होंने बच्चों, लड़कियों और लोगों के साथ तस्वीरें खिंचाईं। अंजली ने भी गांव के छोटे बच्चों को गोद में लेकर दुलारा। बाद में उन्होंने युवा स्कूल के बच्चों के साथ मिलकर झारखंडी भोजन मडुवा-रोटी का भी स्वाद चखा। उन्होंने फुटबॉल खेलने वाली लड़कियों का हौसला बढ़ाया।

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है हमारी पृथ्वी

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

मोटिवेशन / अतुल मलिकराम

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

कहानी
यशोधरा भटनागर

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

एलबम

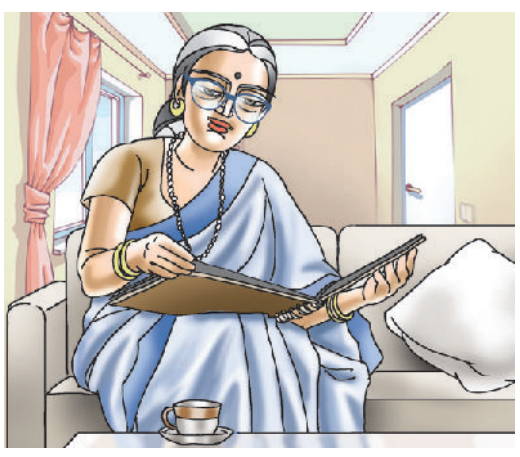

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झाड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

लोकसभा क्षेत्र
खरगौन

1 भाजपा प्रत्याशी
गजेंद्र सिंह पटेल

2 कांग्रेस प्रत्याशी
पोरलाल खरते

पिछली बार कौन जीता
गजेंद्र सिंह पटेल

जीत का अंतर
2 लाख 2 हजार 510

क्या रहेंगे मुद्दे?

खरगौन लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिमों की तादाद काफी है। यहां सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाली घटनाएं भी हो चुकी हैं, इसलिए लोकसभा के इस चुनाव में अयोध्या में राम मंदिर और हिंदू- मुस्लिम राजनीति को मुद्दे के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की ताकत बन रहा है, यह बात लोगों तक पहुंचाई जा रही है। भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कराए गए काम गिनाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस केंद्र सरकार की नाकामियां गिना रही है। धर्म और हिंदू-मुस्लिम की राजनीति कर लोगों को बांटने का आरोप भाजपा पर लगाया जा रहा है। महंगाई रोकने और बेराजगारी दूर करने में केंद्र को असफल बताया जा रहा है। कांग्रेस के घोषणा-पत्र में शामिल 5 न्याय और 24 गारंटियां बताई जा रही हैं। लोकसभा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर हुए काम और समस्याएं भी चुनाव का मुद्दा हैं।

भाजपा की कब्जा बरकरार रखने की कोशिश, कांग्रेस ने आदिवासियों के बीच सक्रिय युवा को दिया मौका

खरगौन में भाजपा के गजेंद्र, कांग्रेस के पोरलाल में कड़ी टक्कर

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार अरुण यादव के गृह लोकसभा क्षेत्र खरगौन में भाजपा-कांग्रेस के बीच कड़े मुकाबले के आसार हैं। आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित इस सीट पर भाजपा ने अपने सांसद गजेंद्र पटेल को दूसरी बार मौका दिया है, जबकि कांग्रेस ने मुकाबले को रोचक बनाने के लिए 20 साल से आदिवासियों के बीच काम करने वाले पोरलाल खरते को मैदान में उतारा है। खरते को आदिवासी संगठन जयस का भी समर्थन हासिल है। मुकाबला इसलिए भी रोचक है, क्योंकि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 8 में से 5 सीटें जीती हैं, जबकि भाजपा को सिर्फ 3 में सफलता मिली है। हालांकि भाजपा सांसद पटेल क्षेत्र में लोकप्रिय हैं। भाजपा का मजबूत संगठन पूरी तरह सक्रिय है। मोदी और राम लहर पर भरोसा तो भाजपा को है ही।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

परिसीमन से पहले खरगौन लोकसभा सीट सामान्य थी, तब कभी भाजपा जीतती थी, कभी कांग्रेस। 2008 के परिसीमन के बाद यह सीट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित हुई, तब से यहां भाजपा काबिज है। 2009 से पहले लोकसभा सीट के लिए हुए उप चुनाव में कांग्रेस के अरुण यादव ने भाजपा के कृष्ण मुरारी मोघे को 1 लाख 18 हजार से ज्यादा मतों के अंतर हराकर जीत दर्ज की थी। इसके बाद सीट आरक्षित हो गई। तब से यहां कांग्रेस नहीं जीती। 2019 में भाजपा के गजेंद्र पटेल ने कांग्रेस के डॉ. गोविंद मुजाल्दे को 2 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया था। भाजपा की

गजेंद्र सिंह पटेल

पोरलाल खरते

ओर से गजेंद्र फिर मैदान में हैं। वे पार्टी नेतृत्व के नजदीक हैं। कोरोना कॉल में सक्रिय रहकर उन्होंने अच्छी लोकप्रियता हासिल की थी। कांग्रेस ने पिछली बार की तरह इस बार भी नया चेहरा मैदान में उतारा है। पिछली बार क्षेत्र में लोकप्रिय एक डॉक्टर को मौका दिया गया था, जबकि इस बार 20 साल से आदिवासियों के बीच काम करने वाले युवा पोरलाल खरते पर दांव लगाया गया है। खरते आदिवासी युवा संगठन जयस से भी जुड़े हैं। लोगों से बातचीत करने पर जो तस्वीर उभरती है, उसके अनुसार क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और अयोध्या में राम मंदिर लहर का असर है। खरगौन में हिंदू-मुस्लिम के बीच ध्रुवीकरण भी होता है। इसका मतलब यह कतई नहीं कि कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस के पोरलाल आदिवासी युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। भाजपा प्रत्याशी पटेल भिलाला आदिवासी हैं और कांग्रेस के खरते बरेला। क्षेत्र में भिलाला 4 लाख के आसपास हैं और बरेला इनसे 2 लाख ज्यादा लगभग 6 लाख। क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं की तादाद भी 2 लाख के आसपास है। यह कांग्रेस के पक्का वोट बैंक है। क्षेत्र में भाजपा का संगठन मजबूत है, जबकि कांग्रेस बिखरी हुई। अरुण यादव और उनके भाई सचिन यादव खरगौन के साथ अन्य क्षेत्रों में भी सक्रिय हैं।

दो जिलों तक फैला है खरगौन लोस क्षेत्र

निमाड़ अंचल की खरगौन लोकसभा सीट का भौगोलिक क्षेत्र दो जिलों में फैला है। इसके तहत खरगौन और बड़वानी जिले की 4-4 विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें खरगौन जिले की चार विधानसभा सीटें महेश्वर, कसरावद, खरगौन और भगवानपुरा हैं और बड़वानी जिले की सेंधवा, पानसेमल, बड़वानी और राजपुर। खरगौन जिले की 2 सीटों कसरावद और भगवानपुरा में कांग्रेस का कब्जा है और दो सीटों महेश्वर और खरगौन में भाजपा का। बड़वानी जिले की तीन विस सीटें सेंधवा, बड़वानी और राजपुर कांग्रेस के पास हैं भाजपा के पास सिर्फ एक पानसेमल। जहां तक खरगौन लोस सीट के मिजाज का सवाल है तो 1991 से अब तक हुए 9 चुनावों में कांग्रेस सिर्फ 2 बार जीती है जबकि 7 बार भाजपा ने जीत का पताका फहराया है। इससे पता चलता है कि मतदाता विधानसभा और लोकसभा चुनाव में अलग-अलग मतदान करते हैं।

जातीय और सामाजिक समीकरणों में बराबरी

खरगौन लोकसभा क्षेत्र के जातीय और सामाजिक समीकरणों के लिहाज से भी भाजपा और कांग्रेस में बराबरी का मुकाबला है। सीट में सर्वाधिक मतदाता भिलाला और बारेला हैं। भाजपा के दिलीप पटेल भिलाला और कांग्रेस के पोरलाल बारेला समाज से हैं। क्षेत्र में भिलाला लगभग 4 लाख और बारेला लगभग 6 लाख मतदाता हैं। इस लिहाज से कांग्रेस के पोरलाल भाजपा पर भारी हैं। क्षेत्र में मुस्लिम मतदाता 2 लाख के आसपास बताए जाते हैं। ये भी कांग्रेस के पक्ष में जाते हैं। इनके अलावा क्षेत्र में पाटीदार, गूजर, दलित, यादव और सवर्ण मतदाता हैं। पाटीदार, गूजर और सामान्य वर्ग भाजपा के पक्ष में जाता दिखाई पड़ता है और अरुण यादव के कारण इस समाज के मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की ओर रहता है।

विधानसभा में कांग्रेस की भाजपा पर बढ़त

खरगौन ऐसा लोकसभा क्षेत्र है, जहां विधानसभा में ताकत के लिहाज से कांग्रेस को भाजपा पर बढ़त हासिल है। क्षेत्र की 8 लोकसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि भाजपा के पास सिर्फ 3 विधानसभा सीटें हैं। चार माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 5 सीटों में 31 हजार 578 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा का 3 सीटों में जीत का अंतर 33 हजार 126 वोट का था। इस लिहाज से भाजपा को कांग्रेस पर लगभग 2 हजार वोटों की बढ़त हासिल है। यह अंतर लोकसभा चुनाव में कोई मायने नहीं रखता। ध्यान देने की बात यह है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। विधानसभा की 6 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं और 2 सीटें निर्दलियों के खाते में गई थीं। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के गजेंद्र पटेल 2 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत गए थे। वजह साफ है विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मुद्दों में फर्क होता है।

फर्स्ट टाइम वोटर

देश के विकास से खुश, रोजगार के अवसर बढ़ना चाहिए...

लोकसभा चुनाव को लेकर युवा मतदाताओं में खासा उत्साह है। युवा वोटर पहली बार मतदान को लेकर काफी खुश है। युवा लोगों से मतदान करने के लेकर

लगातार अपील कर रहें हैं। मेरा मानना है कि मप्र सहित देशभर में बहुत विकास हुआ है। इसको लेकर काफी खुशी है, लेकिन कहीं न कहीं रोजगार को लेकर युवाओं के सामने चुनौतियां है। जो भी सरकार बनें, उन्हें युवाओं के रोजगार के लेकर काम करना चाहिए। दोनों प्रमुख पार्टियों के घोषणा पत्रों को देखा है। मैं उम्मीदवारों के कामों व योजना को परख कर वोट करूंगी।

सेजल श्रीवास्तव, युवा मतदाता

मतदान से हम अच्छी सरकार और सांसद चुन सकते हैं...

लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव मतदान होता है। मतदान से हम अच्छी सरकार, सांसद चुन सकते हैं, इसलिए मतदान करना आवश्यक है, वहीं अच्छे जन

प्रतिनिधि को चुनना भी जरूरी है। मैं सभी उम्मीदवार, पार्टी के घोषणा-पत्र को देख रही हूं। पार्टियों को प्रलोभन की बजाय काम को ज्यादा महत्व देन चाहिए। जनता को नकद या अनाज देने की बजाए उनको रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करें। उनकी काबिलियत के हिसाब से उनको मौका दे। मैं शहर व प्रदेश के विकास के लिए कौन सी पार्टी काम करेंगी, यह देखकर वोट करूंगी।

सिमरन, युवा मतदाता

जो हो न सका...

200 साल पहले फ्रेंच और इंडियन स्टाइल में बना शौकत महल नहीं बन पाया पर्यटन स्थल

राजधानी में करीब 200 साल पहले फ्रेंच और इंडियन स्टाइल में शौकत महल बना था। इसे पर्यटन स्थल बनाने के लिए 20 साल पहले प्लानिंग तैयार कर केंद्र सरकार को भेजी गई थी। लेकिन शौकत महल का काम शुरू नहीं हुआ। इस कारण भवन बंद होने के साथ ही खंडहर होता जा रहा है। इस महल के सामने ही मौजूद सदर मंजिल के रिनोवेशन का काम तो शुरू हो गया था, लेकिन इस महल में ताले ही लगे रहे। पुरातत्व विभाग व पर्यटन विभाग के कई अधिकारी भी इसका मुआयना करने आए। करीब 200 साल से शहर के हर उतार-चढ़ाव का गवाह रहे इस महल का एक हिस्सा खंडहर होने के कारण गिरा दिया गया था। एक हिस्सा गिरने के बाद महल अपना मूल स्वरूप शायद हासिल कर सके।

पुरुषों का हिस्सा था शौकत महल

भोपाल के इतिहासकारों के अनुसार, महल दो हिस्सों में बंटा था। पुरुषों के लिए बना मर्दाना हिस्सा शौकत महल कहलाता था। जबकि महिलाओं के लिए बने जनाना हिस्से को जीनत महल कहा जाता था। नवाब गौहर महल कुदसिया ने 1819 से 1837 तक भोपाल पर शासन किया था। इसी दौरान उन्होंने यह महल अपनी बेटी सिकंदर बेगम को देने के लिए बनवाया था। सिकंदर बेगम की शादी जहांगीर मोहम्मद खां से हुई थी, जो कुदसिया बेगम के बाद भोपाल के नवाब बने और 1837 से 1844 तक शासन किया।

दिल्ली प्रदेश खटीक समाज ने दक्षिण दिल्ली लोस प्रत्याशी बिधूड़ी का लड्डुओं से तौलकर स्वागत किया

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली लोकसभा से भाजापा प्रत्याशी बनाए जाने पर श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी जी को आज दिल्ली प्रदेश खटीक समाज के द्वारा मोतीचूर के लड्डुओं से तौलकर अम्बेडकर नगर विधानसभा में स्वागत एवं सम्मान किया गया। तौल में चढ़े लड्डुओं को मोहल्लेवासियों एवं राहगिरों को वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भाजापा प्रत्याशी श्री

रामवीर सिंह बिधूड़ी जी ने कहा कि दिल्ली प्रदेश खटीक समाज अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद खितौलिया, कार्यक्रम संयोजक विकास खितौलिया, प्रदीप सांखला एवं समस्त खटीक समाज को धन्यवाद इस सम्मान के लिए धन्यवाद दिया साथ ही आश्वासन दिया की में समाज की सेवा हमेशा सदैव तत्पर रहूंगा साथ ही इस कार्यक्रम में समाज ने जो मांगे रखी है चुनाव पश्चात उसे जरूर पूरा करूंगा। कार्यक्रम संयोजक विकास खितौलिया जी ने कहा जब बिधूड़ी 4 जून के बाद जीतकर आएंगे इससे भी बड़ा स्वागत समारोह अम्बेडकर नगर विधानसभा के विजय चौक पर किया जाएगा। स्वागत समारोह में आये सभी लोगो ने भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की तस्वीर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया । बुर्जुग महिलाओं को शॉल और पुरुषों पगड़ी पहनाकर स्वागत किया ।

तेज रफ्तार हाइवा ने एक्टिवा महिलाओं को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरी घायल

जुनवानी के पास हुआ हादसा, सास-बहू लौट रही थीं शादी समारोह से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मिलाई

नई बहू को लेकर सास शादी समारोह में गई थी। वापस लौटते समय तेज रफ्तार हाइवा ने उसकी एक्टिवा को चपेट में ले लिया। सास की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घायल बहू को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। हादसे के बाद से बहू सदमे में है। स्मृति नगर पुलिस ने हाइवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से लोगों में खासा आक्रोश है।

पुलिस के मुताबिक मदर टेरेसा नगर कैम्प-एक निवासी गणेसिया बाई (50) अपनी बहू किरण के साथ शादी समारोह में गई थी। दोनों एक्टिवा में थे। दोपहर तकरीबन 3.40 बजे सास बहू घर वापस लौट रहे थे। तभी जुनवानी के पास तेज रफ्तार से आ रही हाइवा के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए अपनी चपेट में ले लिया। घटना

से गणेसिया बाई की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से बहू सदमे में है। सूचना पर एबुलेंस मौके पर पहुंचकर दोनों को सुपेला अस्पताल ले आई। गणेसिया के शव को मरच्युरी में रखवा दिया है। बताया जाता है कि मृतका के दो बेटे है। एक बेटे की हाल ही में शादी हुई है।

बुजुर्ग महिला की गला काटकर हत्या

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक बुजुर्ग महिला की गला काटकर हत्या कर दी गई। किसी अज्ञात हत्यारे ने देर रात वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। साथ हीसंदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के रामनगर चौकी इलाके का है। घर में मृतका फेकन बाई साहू (65 साल) अपने नाती के साथ रहती थी। शुक्रवार देर रात किसी अज्ञात आरोपी ने धारदार हथियार से बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर एफएसएल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने संदेही को हिरासत लेकर पूछताछ कर रही है। फिलहाल हत्या का कारण अज्ञात है।

मौसम विभाग ने दी राहत भरी खबर

भीषण गर्मी के बीच रायपुर सहित पूरे प्रदेश में तीन-चार दिन होगी जमकर बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी में लगातार बढ़ती गर्मी के बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। अगले तीन-चार दिनों तक रायपुर सहित पूरे प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में जमकर बारिश होने के संकेत दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार पाकिस्तान के ऊपर बने चक्रवाती घेरे के रूप में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, इसके असर से बस्तर के एक-दो हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

दिनभर तेज धूप के साथ गर्म हवा के थपेड़े चल रहे थे। उमस भी बनी हुई थी। अधिकतम तापमान रायपुर में 42.8, माना में 42, बिलासपुर में 42.4, पेण्ड्रारोड में 41.3, अंबिकापुर में 40.5, जगदलपुर में 41.8, दुर्ग में 42.6 और राजनांदगांव में 43 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पिछली रात रायपुर का न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस था। मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार को रायपुर व बस्तर संभाग में कुछ स्थानों पर हीट वेव चली। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने और वज्रपात के आसार हैं।

शादी में शामिल होने आई स्कूली छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, बेहोश होने पर भागे

पुलिस ने अपराध दर्ज कर एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पेंड्रा

गौरेला पेंड्रा मरवाही में शादी समारोह में शामिल होने गई स्कूली छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। गांव के ही रहने वाले दो आरोपियों ने नाबालिग को शनिवार सुबह लगभग 4 बजे शादी वाले घर से उठाकर अपने साथ जंगल ले जाकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और छात्रा के बेहोश हो जाने पर वहां से भाग खड़े हुए। सुबह दिन निकलने पर जब कुछ महिलाओं की नजर बेहोश नाबालिग पर पड़ी तो 112 की मदद से बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया और पूरे मामले का खुलासा हुआ है। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और दूसरे की तलाश जारी है।

मामला पेंड्रा थानाक्षेत्र के एक गांव का है जहां पर पेण्ड्रा थाना क्षेत्र

के ही एक गांव की रहने वाली 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा शादी में शामिल होने के लिए अपनी मां के साथ पहुंची थी। देर रात जब शादी का कार्यक्रम चल रहा था तो सुबह चार बजे के आसपास नाबालिग घर से बाहर निकली थी उसी दौरान शादी वाले घर के पास रहने वाले दो युवक अचानक नाबालिग के पास पहुंचे और नाबालिग को उठाकर अपने साथ पास के जंगल ले गए और सुनसान जगह पर दोनो आरोपियों ने बारी बारी नाबालिग के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्जकर एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है तो दूसरे फरार आरोपी की पतासाजी के लिए पुलिस की दो टीमें उनके संदिग्ध ठिकानों में दबिश दे रही हैं। दोनों आरोपियों की पहचान गंगा राम चौधरी और नरेश चौधरी के रूप में हुई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजी 410 शिकायतें

भाजपा के बनाए गए नियंत्रण कक्षों में पहुंचीं 559 शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के छह लोकसभा क्षेत्रों छिंदवाड़ा, सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला व बालाघाट में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गए हैं। भाजपा ने मतदान प्रक्रिया के दौरान आने वाली गड़बड़ियों व परेशानियों को लेकर विधानसभा, लोकसभा जिला और प्रदेश कार्यालय में नियंत्रण कक्ष बनाए थे।

विधानसभा, लोकसभा क्षेत्र के साथ जिला और राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष में शुक्रवार को कुल 559 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 149 शिकायतें राज्य स्तरीय नियंत्रण में प्राप्त हुई हैं।

मंडला से 25, जबलपुर से 27 शिकायतें मिली

भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने बताया कि सीधी लोकसभा क्षेत्र से 17 शिकायतें भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्थित राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष में प्राप्त हुई हैं। शहडोल लोकसभा क्षेत्र से 23, जबलपुर से 27, मंडला से 25, बालाघाट से 21 और छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 36 शिकायतें राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष को प्राप्त हुई हैं, जिन्हें निर्वाचन आयोग को कार्रवाई के लिए भेजा गया है। इसी तरह भाजपा द्वारा जिलों में बनाए गए नियंत्रण कक्षों से सभी 6 लोकसभा क्षेत्रों को मिलाकर कुल 410 शिकायतें संबंधित जिलों के कलेक्टर्स और जिला निर्वाचन अधिकारियों से की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने हेलीपैड जाते समय गन्ने की चरखी चलाई, टीकमगढ़, सोहागपुर और इटारसी में जनसभा की

देश को दो हिस्से में बांटने का पाप कांग्रेस ने ही किया था: डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस ने हमेशा से देश के हिन्दू-मुसलमानों के बीच में दरार डालने का काम किया है। कांग्रेस आपस में लड़ाकर, झूठ बोलकर राज करती रही। हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा भी कांग्रेस ने ही कराया था, क्योंकि उस समय न जनसंघ था और न ही भारतीय जनता पार्टी थी।

अब देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहा है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को टीकमगढ़ में रोड शो एवं सोहागपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने इटारसी में भी रोड शो में अपनी सहभागिता की।

जैसे को तैसा जवाब देना भारत को आता है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले कभी दिल्ली, कभी मुंबई, कभी भी, कहीं भी बम विस्फोट हो जाते थे। कोई सुरक्षित नहीं था, लेकिन अब देश में यह स्थिति नहीं है। अब कहीं भी बम नहीं फूटते हैं और अब तो यह स्थिति हो गई है कि यदि गलती से कहीं छोटा पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान कहता है कि हमने नहीं फोड़ा है। जैसे को तैसा जवाब देना भारत को आता है।

यह कवि माखनलाल की पावन धरा है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोहागपुर में आयोजित जनसभा के दौरान कहा कि सोहागपुर तो वह पावन धरा है, जहां पर स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी जैसे महान कवि थे। मां नर्मदा का आशीर्वाद है।

सीएम ने चलाई चरखी

टीकमगढ़ में रोड शो के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हेलीपैड जाते समय सिविल लाइन रोड पर सड़क किनारे लगे गन्ने के ठेले के पास काफिला रुकवाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गन्ने की चरखी भी चलाई। उन्होंने यहां पर गन्ने का रस पिया व पैसे निकालकर दिए।

श्रीराम मंदिर में हमेशा से अड़ंगे लगाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में अड़ंगे लगाए। वे हमेशा से देश के अंदर हिन्दू-मुसलमान के बीच में गलत संदेश देते रहे। उनके बीच में फूट डालते रहे, लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो इसका स्वागत क्या हिन्दू, क्या मुसलमान पूरे देश ने किया। अयोध्या के अंदर भगवान श्रीराम के मामले में कांग्रेस ने हमेशा से गलती की। सब चाहते थे कि श्रीराम मंदिर का निर्माण हो, लेकिन कांग्रेस हमेशा से यह चाहती थी कि यहां पर श्रीराम मंदिर नहीं बने, क्योंकि मंदिर के बहाने ही कांग्रेस राजनीति करती रही।

देश में जारी लोकसभा चुनाव के पहला चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में 21 राज्यों की 102 संसदीय सीटों और अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधानसभा के लिए वोटिंग हुई है। ये चुनाव ईवीएम से हुए हैं। इस दरम्यान जहां विपक्षी नेता ईवीएम से चुनाव को लेकर आरोप मढ़ रहे हैं, इस पर सवाल उठा रहे हैं, इस पर सियासत कर रहे हैं, वहीं इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता जानेमाने वकील प्रशांत भूषण के भ्रमित तथ्यों के चलते उन्हें तीखे शब्द भी कहे हैं। कोर्ट ने अभी फैसला सुरक्षित रख लिया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दोहराया है कि ईवीएम सुरक्षित है, इसे हैक करना संभव नहीं है, इसमें किसी भी प्रकार से गड़बड़ी नहीं की जा सकती है। वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को सुरक्षित माना है। खास बात है कि ईवीएम को लेकर टीका-टिप्पणी विपक्ष में रहने वाले नेता ही करते रहे हैं। चूंकि ईवीएम स्टैंड अलोन मशीन है, जिसे हैक नहीं किया जा सकता है, इसलिए जब विपक्ष के नेता ईवीएम पर प्रश्न खड़ा करते हैं, तो इसमें सियासत दिखती है। पहले चरण के चुनाव व ईवीएम पर पेश है आजकल का यह अंक...

खामोश चुनाव, ईवीएम पर प्रलाप

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है?

आम चुनाव के लिए प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। देश के 21 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में भी शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा है, लेकिन शीर्ष अदालत चाहती है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की गरिमा और ईमानदारी बरकरार रहे, लिहाजा उसने फटकार भी लगाई है और वकीलों के डाटा पर सवाल भी किए हैं। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर वह क्यों लौटना चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

कांग्रेस ने की थी ईवीएम की शुरूआत

ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में करोड़ों मतदाता वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल कर चुके हैं। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। मतदान के बाद पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोख़िम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के ज़ेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है।

ईवीएम की विश्वसनीयता कायम

चुनाव आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया है कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के अभी तक मिलान कराए जा चुके हैं, जिनमें एक भी मामला मिसमैच नहीं पाया गया है। सर्वोच्च अदालत 2019 में भी इसी मामले पर फैसला दे चुकी है, लेकिन इस बार आम चुनाव शुरू हो चुके हैं और विपक्ष का बेहद गंभीर आरोप है कि ईवीएम को सैट किया जा सकता है। नतीजतन किसी भी पक्ष को वोट डाला जाए, वह भाजपा के 'कमल' के पक्ष में ही जाएगा। यदि ऐसा ही है, तो देश के विभिन्न राज्यों में विपक्ष की सरकारें क्यों हैं? लोकसभा में विपक्ष के करीब 100 सांसद कैसे चुने गए थे? दरअसल ये अनर्गल आरोप हैं। लोकतंत्र का मतलब निरंकुशता नहीं होता। बहरहाल अदालत के फैसले की प्रतीक्षा करें और इसे प्रलाप का मुद्दा न बनाएं, क्योंकि इससे राष्ट्रीय छवि और प्रतिष्ठा जुड़ी हैं। भारत में सिर्फ दो कंपनियां ही ईवीएम बनाती हैं। उन्हें भी यह जानकारी नहीं होती कि मशीन को भाजपा के पक्ष में सैट किया गया है अथवा कांग्रेस-वामदलों के पक्ष में प्रोग्राम तय किया गया है। तकनीकी संरचना मैं भी नहीं जानता हूं, लेकिन इतना विश्वास है कि चुनाव को लेकर चुनाव आयोग देश के 97 करोड़ मतदाताओं के साथ छल नहीं कर सकता। मतदाता के संवैधानिक मताधिकार का हरण नहीं किया जा सकता। ईवीएम की अंतरराष्ट्रीय ख्याति ऐसी है कि कई देश अपने यहां चुनाव के लिए भारत के निर्वाचन आयोग को आमंत्रित करते हैं। आज भारतीय ईवीएम की विश्वसनीयता की साख बन चुकी है।

अपने 45 साल के इतिहास में ईवीएम को शंकाओं, आलोचनाओं और आरोपों का सामना करना पड़ा है। ईवीएम का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, साधारण बैटरी पर चलने वाली एक ऐसी मशीन, जो मतदान के दौरान डाले गए वोटों को दर्ज करती है और वोटों की गिनती भी करती है। ये मशीन तीन हिस्सों से बनी होती है। एक होती है कंट्रोल यूनिट (सीयू), दूसरी बैलेटिंग यूनिट (बीयू)। तीसरा हिस्सा होता है– वीवीपैट (वोटर वेरिफ़ायबल पेपर ऑडिट ट्रेल)। ईवीएम के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ईवीएम मशीन कंप्यूटर से कंट्रोल नहीं होती हैं, ये स्टैंड अलोन मशीन होती हैं जो इंटरनेट या किसी दूसरे नेटवर्क से कनेक्ट नहीं होती हैं, इसलिए ये हैकिंग से पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईवीएम में डेटा के लिए फ्रीक्वेंसी रिसीवर या डिकोडर नहीं होता है, इसलिए किसी भी वायरलेस डिवाइस, वाई-फाई या ब्लूटूथ डिवाइस से इसमें छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को चुनावों के लिए विश्वसनीय माना है।

मतदान उत्साहजनक

प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शुक्रवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 64 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में करीब 2 फीसदी कम रहा। बिहार में सबसे कम 48.8 फीसदी मतदाता पोलिंग स्टेशन तक गए। सबसे अधिक मतदान त्रिपुरा में 81.5 फीसदी और सिक्किम में 80 फीसदी किया गया। उत्तराखंड, उप्र, राजस्थान और मिज़ोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है। दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में करीब 70 फीसदी मतदान हुआ है। बंगाल की जलपाईगुड़ी सीट पर भी 79 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। बंगाल में औसत मतदान भी सकारात्मक रहा है। पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 70.8 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नगालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। जम्मू-कश्मीर में 65 फीसदी से अधिक मतदान एक उम्मीद जगाता है कि लोगों ने भारतीय लोकतंत्र और संविधान के प्रति विश्वास जताया है।

वोटिंग से विमुख क्यों

समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है। यानी प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष या विरोध में कोई 'चुनावी लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की ख़बरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा न तो कोई ध्रुवीकरण दिखाई दिया और न ही मतदान करना मुनासिब समझा। यह भी मतदान और संवैधानिक अधिकार को लेकर नकारात्मक सोच है। मैंने मतदान के इस चरण को 'खामोश और भ्रमित चुनाव' माना है। अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरुआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। चूंकि इस बार पूरा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी पर ही केंद्रित है, लिहाजा मतदाताओं की कुछ उदासीनता दिख सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कर मतदाताओं को 'शुक्रिया' कहा है। प्रधानमंत्री का फीडबैक शानदार रहा है, क्योंकि लोगों ने रिकॉर्ड संख्या में एनडीए को वोट दिए हैं। बहरहाल मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। सत्ता-पक्ष मतदान के बाद ऐसे ही बयान देता रहा है। मतदान किसके पक्ष में है इसका पता तो चार जून को ही लगेगा। लेकिन वोटरों को खुलकर अपने मतों का प्रयोग करना चाहिए, लोकतंत्र को सब मजबूत करें।

ईवीएम पर संदेह की सियासत बंद हो

मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ
राजनीतिक विश्लेषक

मोदी विरोधी मोर्चे के नेता आजकल एक और कैंपेन कर रहे हैं। वो कह रहे हैं कि मोदी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम की वजह से जीतते हैं। वैसे ईवीएम को गलत ठहराने वाला राग तो पुराना है। बीती 17 अप्रैल को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनाव प्रचार करते हुए दावा किया कि अगर ईवीएम से छेड़छाड़ न हो तो भाजपा 180 सीटों पर सिमट जाएगी। जो राजनीतिक दल और नेता पिछले पांच साल तक जमीन पर उतरे नहीं, आज जब उन्हें अपनी हार साफ तौर पर दिख रही है तो उन्होंने ईवीएम की हार में पेशबंदी शुरू कर दी है। आखिरकार अपनी गलतियों, कमियां और कमजोरियों का ठीकरा किसी के सिर तो फोड़ना ही है, ऐसे में बेजुबान ईवीएम से बेहतर विकल्प दूसरा नहीं हो सकता।

विपक्ष की सरकारें भी ईवीएम से

आम चुनाव के पहली चरण में 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है। करोड़ों देशवासियों ने उन्हीं ईवीएम का बटन दबाकर अपना वोट दिया है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही कार्यकाल में हुई थी। इसी ईवीएम के दम पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में तीन बार और पंजाब में एक बार चुनाव जीता, 2012 में समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला, बहुजन समाज पार्टी को 2007 में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला और कांग्रेस ने 2023 में तेलंगाना जीता। वर्तमान में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही सत्तासीन हुई हैं।

ईवीएम हैक संभव नहीं

ईवीएम को लेकर अक्सर होहल्ला मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रह पूर्ण है। चुनाव आयोग ने कई बार दोहराया है कि ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता है, इसके सिस्टम से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है, यह फुलप्रूफ मशीन है। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने निर्णय सुरक्षित रखा है।

हारने पर ही विरोध क्यों

2009 के आम चुनावों में जब बीजेपी के नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे थे, ठीक उसी वक्त ओडिशा कांग्रेस के नेता जेबी पटनायक ने भी राज्य विधानसभा में बीजू जनता दल की जीत की वजह ईवीएम को ठहराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद कांग्रेस के नेता और असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे और कहा था कि बीजेपी की जीत की वजह ईवीएम है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि भारत में जब तक

पार्टियां चुनाव नहीं हारने लगतीं तब तक उन्हें ईवीएम मशीन से कोई शिकायत नहीं होती। मौजूदा समय में भारत का प्रत्येक राजनीतिक दल कभी ना कभी ईवीएम का विरोध कर चुका है। ऐसे में संसद की संयुक्त संसदीय समिति को ईवीएम के इस्तेमाल की जांच करनी चाहिए।

आयोग की स्वायत्तता बनी रहे

चुनाव आयोग ने न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है।

बैलेट पेपर युक्तिसंगत नहीं

वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल यानी वीवीपैट से निकलने वाली सभी पर्चियों का मिलान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से पड़े वोटों के साथ कराने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने एडीआर की याचिका पर सुनवाई के दौरान 1960 के दशक में बैलेट पेपर से चुनाव के दौर को याद किया और कहा कि देश में फिलहाल मतदाताओं की संख्या 96 करोड़ से अधिक है। ऐसे में बैलेट पेपर या वीवीपैट की 100 फीसदी गिनती की व्यवस्था से चुनाव कराना बहुत चुनौती वाला काम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि हम सभी जानते हैं कि जब बैलेट पेपर थे तो क्या होता था। आप जानते होंगे, लेकिन हम भूले नहीं हैं। वैसे बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की स्थिति में भारत की चुनावी प्रक्रिया लंबी भी होगी और खर्च भी बढ़ेगा।

विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं

सच्चाई यह है कि देश की जनता ने जातिवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए विपक्षी दलों को खारिज कर दिया है और देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है। आज विपक्ष के ज्यादातर नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे हैं। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने जो विकास और कल्याण के कार्य किये हैं, उससे देश की जनता का भरोसा मोदी सरकार पर पहले से ज्यादा बढ़ा है। आज मोदी की गारंटी के सामने विपक्ष की सारी गारंटियां और वादे कोरी जुमलेबाजी लगते हैं। देश की जनता विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं करती, जिसके चलते विपक्ष लगातार सत्ता से बेदखल है।

ईवीएम पर भ्रम न फैलाए विपक्ष

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले भ्रष्ट और परिवारवादी दलों और नेताओं के दिन भारतीय राजनीति में लद चुके हैं। जनता अब यह समझने लगी है कि कौन उनका सच्चा हितेषी और हमदर्द है। कौन उनका विकास और कल्याण कर सकता है। देश की जनता समझने लगी है कि कौन सकारात्मक राजनीति कर रहा है और कौन डर, भय और भ्रम के जरिये जनादेश पाना चाहता है। किसने उन्हें उनका हक दिया है। ऐसे में बेहतर होगा विपक्ष ईवीएम पर संदेह करने और जनता में भ्रम फैलाने की बजाय अपने आचरण को सुधारे।

व्यवस्था संचालन के सूत्रधार लोक सेवक

सिविल सेवा दिवस

डॉ. आलोक शुक्ला
पूर्व आईएएस अधिकारी

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य सिविल सेवकों द्वारा आम लोगों के हित के लिए स्वयं को समर्पित करना और फिर से प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। यह दिन सिविल सेवकों को नई चुनौतियों से निपटने के लिए आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रणनीतियों के बारे में सोचने का अवसर प्रदान करता है। 21 अप्रैल, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को दिल्ली के मेटकॉफ हाउस में संबोधित किया था। यह दिन इसी की याद में मनाया जाता है।

इस अवसर पर, प्रधानमंत्री जी के हाथों 'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार' प्रदान किये जाते हैं। यह पुरस्कार वर्ष 2006 में स्थापित किये गये थे। ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं। पहली श्रेणी व्यक्तिगत पुरस्कार की है, दूसरी श्रेणी दल के रूप में काम करने के लिये है और तीसरी श्रेणी संगठन की है। पुरस्कार में एक पदक, एक स्क्रॉल और एक लाख रुपये की कर मुक्त नकद राशि शामिल है। मुझे यह बताते हुये खुशी है इस लेखक को भी छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और धान खरीदी का उत्कृष्ट सिस्टम विकसित करने के लिये दल पहल के रूप में यह पुरस्कार अपने 2 अन्य साथियों गौरव द्विवेदी और सोमसेखर के साथ वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के हाथों से मिला था। भारत की सिविल सेवाओं में अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द सरकार की सेवाएं और राज्य सरकारों की सेवाएं शामिल हैं।

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सिविल सेवाओं के लिये चयन संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से होता है राज्यों की सिविल सेवाओं के वरिष्ठ पदों पर चयन राज्यों के लोक सेवा आयोगों द्वारा किया जाता है। भारत के संविधान में सिविल सेवकों को निष्पक्षता बनाये रखने के लिये अनुच्छेद 309, 310 तथा 311 के प्रावधानों के तहत सुरक्षा प्रदान की गई है। सिविल सेवक देश की स्थाई कार्यपालिका हैं। वे चुने हुये जनप्रतिनिधियों के अधीन कार्य करते हैं। देश के नीति निर्धारण और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनका बहुत बड़ा रोल होता है।

भारत में सिविल सेवा की आधारशिला ब्रिटिश समय में रखी गई थी। इसे गर्वनर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने प्रारंभ किया और बाद में कार्नवालिस ने इसमें अनेक सुधार किये। कॉर्नवालिस ने भारतीय सिविल सेवा के दो भागों में बांटा। पहला था अनुबंधित सिविल सेवक और दूसरा बिना अनुबंध वाले सिविल सेवक। अनुबंधित सिविल सेवक केवल यूरोपियन ही होते थे, जबकि दूसरे प्रकार के सिविल सेवक, जो कनिष्ठ पदों पर कार्य करते थे, उनमें भारतीयों की नियुक्ति भी की जाती थी। भारत सरकार अधिनियम 1919 में, भारत की इंपीरियल सिविल सेवा को दो भागों में बांट दिया गया। पहली, अखिल भारतीय सेवाएँ और दूसरी, केंद्रीय सेवाएँ। यह सिविल सेवाएं सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के अधीन थीं।

अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं (समूह ए)

को 1924 में केंद्रीय सुपीरियर सेवाओं का नाम दिया गया। 1924 से 1934 तक, भारत में 10 अखिल भारतीय सेवाएँ थीं और 5 केंद्रीय विभाग थे जो सभी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के नियंत्रण में थे। इसके अतिरिक्त 3 और केंद्रीय विभाग थे, जो प्रांतीय और केन्द्रीय दोनों के संयुक्त नियंत्रण में थे। प्रारंभ में अनुबंधित सिविल सेवक में कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा अपनी मर्जी से भर्ती की जाती थी। वे केवल योरोपियन लोगों की भर्ती करते थे। वर्ष 1954 में लंदन में सिविल सर्विस कमीशन का गठन किया गया। वर्ष 1864 में सिविल सर्विस परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय सत्येन्द्र नाथ टैगोर थे, जो रवीन्द्रनाथ टैगोर के भाई थे। 1867 तक 4 अन्य भारतीयों का सिलेक्शन भी हुआ। 1883 तक भारत की सिविल सर्विस में भारतीयों की संख्या केवल 12 थी, जो 1915 तक बढ़कर केवल 63 हो गई। 1920 की परीक्षा में सुभाष चंद्र बोस को चौथी रैंक मिली, उन्होंने देश के लिये काम करना बेहतर समझा और सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया।

1922 से सिविल सर्विस परीक्षा भारत के भीतर इलाहाबाद में ली जाने लगी। बाद में दिल्ली में भी एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इसे इंडियन सिविल सर्विस कहा जाता था, परन्तु इसके अधिकांश सदस्य न तो भारतीय थे, न भारतीयों के प्रति सिविल थे और न ही उनमें कोई सेवा भावना थी। उनका उद्देश्य केवल भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को कायम रखना था। स्वतंत्रता प्राप्ति के ठीक पहले अविभाजित भारत में 980 सिविल सेवा अधिकारी थे, जिनमें से 468 योरोपियन थे।

संविधान सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि वर्तमान प्रशासनिक प्रणाली का कोई विकल्प नहीं है। अच्छी अखिल भारतीय सेवाओं के बिना भारत को एकजुट रखना संभव नहीं है। उन्होंने भारत की सिविल सेवाओं को स्टीली फ्रेम ऑफ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन कहा था। भारत में इंपीरियल सिविल सेवा के स्थान पर भारतीय प्रासनिक सेवा का गठन 1947 में स्वतंत्रता पाप्ति के बाद किया गया। सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और योग्यता के मूल्य भारतीय सिविल सेवाओं के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

नई दिल्ली में स्थित कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, सिविल सेवा का नियंत्रण करता है। यह मंत्रालय भारत में सिविल सेवा प्रणाली के लिए प्रशिक्षण, सुधार और पेंशन के लिए जिम्मेदार है। संविधान के अनुच्छेद 312 (13) के तहत राज्यसभा को दो-तिहाई बहुमत से नई अखिल भारतीय सेवाएं स्थापित करने का अधिकार है। वर्तमान में तीन अखिल भारतीय सेवाएं हैं - भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा। भारत में सर्वोच्च सिविल सेवक कैबिनेट सचिव होता है। वह सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी है। भारत में प्रोटोकॉल के वरीयता क्रम में कैबिनेट सचिव 11वें स्थान पर हैं। राज्य स्तर पर सिविल सेवा का प्रमुख, मुख्य सचिव होता है। उनकी यह जिम्मेदारी है कि सिविल सेवक प्रशिक्षित और सक्षम हों और निष्पक्ष वातावरण में काम करें।

देश में नीति निर्माण से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन तक में सिविल सेवाओं का बहुत बड़ा योगदान है। चाहे कोविड-19 की महामारी से निपटना हो, या देश में आने वाली बाढ़ या सुनामी, तूफान या सूखा जैसी प्राकृतिक आपदायें हों, देश के सिविल सेवक अपने प्राणों की परवाह किये बिना अपनी ड्यूटी में लगे रहते हैं।

देश में चुनाव कराने का जिम्मा भी सिविल सेवकों पर ही है। गरीबी हटाओं के कार्यक्रम हों, या औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाना, कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति के लिए गांव-गांव में काम करना हो या घर-घर बिजली-पानी पहुंचाने के लक्ष्य की पूर्ति करना हो, सारे ही काम सिविल सेवाओं द्वारा किये जाते हैं। देश में हर बच्चे का टीकाकरण कराने से लेकर, हर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी भी सिविल सेवकों पर ही है। भूमि के रिकार्डों का संधारण से लेकर देश की सुचारू व्यवस्था के संचालन के लिए हमारी सिविल सेवाएं रात दिन काम में लगी रहती हैं।

पीएम मोदी ने नांदेड़ राजस्थान में कांग्रेस पर बोला हमला

'कांग्रेस के शहजादे' को जिस तरह अमेठी से 'भागना' पड़ा था उसी तरह उन्हें केरल के वायनाड को भी छोड़कर भागना पड़ेगा

.पीएम मोदी ने सोनिया गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि कुछ नेता, जो लगातार लोकसभा में जीतकर आते थे, वे इसबार राज्यसभा के रास्ते से अंदर जाकर बैठ गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और खासकर विदर्भ एवं मराठवाड़ा के विकास का दम घोंटने का काम किया है और कांग्रेस के इसी रवैये के कारण यहां किसान गरीब होते गए। उद्योगों से जुड़ी संभावनाएं खत्म होती चली गई और लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा।

एजेंसी ▶▶ नांदेड़

पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है और मैं वोटिंग करने वाले सभी लोगों को खासतौर पर पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि विश्लेषण से ये विश्वास पक्का हो रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है।

पीएम ने कहा है कि जिस तरह से कांग्रेस के शहजादे को अमेठी से भागना पड़ा था वैसे ही अब वायनाड छोड़कर भाग जाएंगे। राहुल इस बार केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह पहले कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ते थे और 2019 में वे इस सीट से हार गए थे। इस सीट से स्मृति ईरानी ने जीत दर्ज की थी और इस बार भाजपा ने एक बार फिर से स्मृति ईरानी को टिकट दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अबतक अमेठी में उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है।

पहले चरण के मतदान से गदगद

- राहुल गांधी इस बार भी वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे
- भाजपा की स्मृति ईरानी ने राहुल को अमेठी से दी थी बड़ी मात

देश के मतदाता 'घमंडिया' गठबंधन को लगातार नकारते जा रहे

इंडी गठबंधन स्वार्थ और भ्रष्टाचार को बचाने एक साथ आया

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वोटर भी देख रहे हैं कि कैसे इंडिया अलायंस के लोग अपने स्वार्थ में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इसलिए खबर यही है कि पहले चरण में मतदाताओं ने इस गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि ये लोग दावा जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेता अपनी हार मान चुके हैं।

कांग्रेस, ऐसी बेल जो सहारा देने वाले को ही सुखा देती है

परभणी में भी पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'कांग्रेस एक ऐसी बेल है, जिसकी अपनी न कोई जड़ है, न जमीन है और इसे जो सहारा देता है, उसे ही सूखा देती है। आजादी के समय कांग्रेस ने देश का विभाजन करवा दिया, आजादी के बाद कश्मीर की समस्या खड़ी कर दी। कांग्रेस ने 370 के बहाने बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं होने दिया। पीएम ने कहा यह चुनावसरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है, देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा है।

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान

अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है।

राहुल ने भागलपुर में कहा

सरकार बनी तो खत्म कर देंगे अग्निवीर

भागलपुर। एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा 50 सीटों से ज्यादा नहीं जीतेगी। वे अपने लिए खुद ही बढ़ा चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन जनता उनको इस बात मौका नहीं देगी। इंडिया गुट की सरकार बनीं तो वे पांच तरह की गारंटी फौरन देंगे। ये योजना युवा, किसान, महिला, मजदूर, आशा वर्कर्स और सेना जुड़ा है। उनकी सरकार आते ही हर परिवार की एक महिला के खाते में आठ हजार से ज्यादा रुपये हर महीने डाले जाएंगे।

गठबंधन के सहयोगी ने राहुल को ही सुनाई खरी-खोटी

धमकी मत दो, जेल जाने से नहीं डरते

लेफ्ट और कांग्रेस दोनों ही इंडिया गठबंधन के घटक राजनीतिक दल हैं लेकिन केरल में दोनों ही एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। राहुल गांधी चुनावी मैदान में हैं। केरल के ही सीएम पिनाराई विजयन लगातार राहुल पर हमलावर हैं और अब उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को याद्कर कांग्रेस को निशाने पर लिया है। राहुलपर हमलावर होते हुए पूछा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी क्यों नहीं की है?

एक महिला ने डाला वोट और बन गया रिकॉर्ड

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में स्थित एक बूथ पर वोटिंग का अनोखा रिकॉर्ड बना है। इस सीट पर 100 फीसदी मतदान हुआ है। इस बूथ के लिए मतदान अधिकारी पैदल चलकर 40 किमी पहुंचे थे। मालोगाम में एक महिला रहती है। इसके लिए निर्वाचन अधिकारों ने महिला के घर से पास बूथ बनाया।

तेजस्वी ने 400 सीट को बताया 'फ्लॉप'

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा के 400 पार वाले नारे पर तंज कसा। यह भाजपा का नारा फ्लॉप हो गया है। इस सपर पलटवार करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जमीन पर काम करने और हवा में दावा करने वालों को जनता जानती है। एनडीए इस बार 400 पार जरूर करेगा।

जलपाईगुड़ी में ममता ने किया डांस

पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी की मुखिया ममता बेनर्जी ने 2 अप्रैल को जलपाईगुड़ी में आदिवासी समूह के लोगों से मुलाकात की। ममता ने इस दौरान उन लोगों के साथ डांस किया और फिर ड्रम भी बजाया। एक मिनट एक सेकंड की इस क्लिप में वे सफेद रंग की साड़ी में आदिवासियों के बीच नजर आई। डांस के बाद टीएमसी सुप्रीमो ने दो महिलाओं के कंधे पर हाथ रखा और मुस्कुराते हुए उन सबसे यह पूछने लगीं कि क्या उन लोगों ने खाना खाया है?

कांग्रेस के पास न नीति, न नीयत और न नेता

शाहपुरा के शकरगढ़ में बोले गृह मंत्री शाह

शाहपुरा जिले के शकरगढ़ ग्राम में शनिवार को भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में भाजपा की चुनावी महासंकल्प सभा का आयोजन हुआ, जिसे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। शाह ने कांग्रेस पर करारा वार करते हुए कहा कि राजस्थान की सभी सीटें भाजपा जीत रही है, इसमें कोई शक नहीं है। भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा की जीत रिकॉर्ड तोड़ेगी। शाह ने कहा कि जो लोग वोट बैंक के लालच से रामलला के दर्शन नहीं करते हैं, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है।

सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं

शाह ने भीलवाड़ा के सांसद सुभाष बहेड़िया के कार्यकाल में केंद्र द्वारा कराए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नेशनल हाइवे-158, जयपुर-उदयपुर वंदे मातरम ट्रेन, भीलवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा से आसींद व गुलाबपुरा रोड पर नेशनल हाइवे, भीलवाड़ा स्टेशन का जीर्णोद्धार यह सब बहेड़िया के विकास कार्यों के खाते में जाता है। मोदी ने एक झटके से ट्रिपल तलाक को हटाया है। नई संसद भवन बनाया गया है। कर्त्तव्य पथ बनाया। 80 करोड़ गरीबों के कल्याण के लिए काम किया। मुफ्त राशन दिया। 12 करोड़ शौचालय बनाकर माताओं-बहनों का सम्मान किया। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया। 1

चित्तौड़गढ़ में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

कांग्रेस सत्ता का अधिकार खो चुकी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ से उम्मीदवार सीपी जोशी के समर्थन में निम्बाहेड़ा में रोड शो किया। रोड शो निम्बाहेड़ा नगर के रेलवे स्टेशन से

शुरू हुआ जो विभिन्न मार्गों से होते हुए शेखावत सर्कल पर पहुंचा। शेखावत सर्कल पर भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण किया। समापन पर जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि साम्प्रदायिक और जातिवाद सोच के कारण देश पहले बहुत नुकसान सह चुका है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में आतंकियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। भगवान राम के लिए कहा जाता था कि भगवान राम पैदा नहीं हुए। जो विरासत और विकास की यात्रा में सहभागी नहीं हो सकते। उन्हें सत्ता में आने का कोई अधिकार नहीं है। इस दौरान सीएम योगी के ऊपर रोड के दोनों तरफ खड़े लोगों ने फूल बरसाए। इमारतों से भी फूलों की बारिश की गई। फूलों की बारिश के वक्त सुरक्षाकर्मियों के हाथों में मौजूद ब्रीफकेस सीएम योगी के लिए कवच बने नजर आए।

खबर संक्षेप

सफल रहा जेवर पर एयरक्राफ्ट का ट्रायल

नोएडा। योगी सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण का

कार्य अंतिम चरण में है। दिसंबर तक एयरपोर्ट चालू हो जाएगा। कैलिब्रेशन फ्लाइट नेविगेशन और रनवे लाइट और एयरस्पेस का परीक्षणकिया गया। जांच के लिए 30 मिनट तक बीचक्राफ्ट किंग एयर बी 300 एयरपोर्ट के ऊपर उड़ाया गया और वह सफल रहा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने टक्कर मारी, 4 की मौत

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी जिले के बिछवां थानाक्षेत्र के फर्दपुर गांव के पास शनिवार तड़के एक

ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे चार महिलाओं की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। इस हादसे में फुलमत (35), रमाकांती देवी (45) और संजय देवी (30) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि द्रोपदी देवी (40) की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

यूपी बोर्ड में शुभम और प्राची निगम ने किया टॉप

लखनऊ। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट रिजल्ट में पहले स्थान पर आए सीतापुर के शुभम वर्मा ने 500 में

से 489 मॉर्क्स हासिल किए। 488 नंबर के साथ 6छात्र दूसरे स्थान पर हैं। बागपत के विशु , अमरोहा की काजल , सीतापुर के राज और कशिश , सिद्धार्थ नगर के चार्ली , देवरिया के सुजाता को 97.60 फीसदी अंक मिले। 10वीं में प्राची निगम ने सर्वोच्च स्थान पाया।

नीतीश ने कटिहार में लालू और राबड़ी का नाम लिए बगैर साधा निशाना

नीतीश का तंज-बहुत कर दिए, इतना बाल- बच्चे पैदा करने चाहिए क्या ?

एजेंसी ▶▶ कटिहार

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एक बार फिर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर परिवावाद को लेकर निशाना साधा है। नीतीश ने कटिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लालू एवं राबड़ी देवी का नाम लिए बिना हमला बोला।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बहुत पैदा कर दिया, इनते बाल-बच्चे पैदा करने चाहिए किसी को। लालू पर तंज कसते हुए कहा कि पहले खुद सीएम बने, हट गए तो पत्नी को बना दिया। अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे हैं। कहीं पर बेटी को, कहीं पर बेटों को लगा रहे हैं। नीतीश ने डंडखोरा के डुमरिया में जेडीयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अपने विकास गाथा की चर्चा के साथ-साथ अपने संबोधन में अल्पसंख्यकों के लिए कार्य को लोगों के बीच रखा। इशारों में परिवारवाद को लेकर जमकर हमला किया। उन्होंने आरजेडी के बारे में कहा कि यह परिवार किसी का नहीं है, बल्कि अपने परिवार की पार्टी है।

उन्होंने कहा पहले खुद सीएम बने, फिर पत्नी को बना दिया, अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे

आरजेडी केवल परिवार की पार्टी

कुछ भी कर लें 150 पार नहीं कर पाएंगे

नीतीश परिवारवाद को लेकर आरजेडी पर हमला बोल रहे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की दो बेटियां मीसा भारती और रोहिणी आचार्य इस बार चुनाव लड़ रही हैं। नीतीश भाषणों में इसका जिक्र करते हुए लालू पर परिवार को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं।

आरजेडी शासन काल के हालात याद दिलाए

नीतीश कुमार ने अपने भाषण में लोगों को आरजेडी शासन काल के हालात फिर से याद दिलाए। उन्होंने कहा कि आप पुरानी बात भूल गए होंगे, इसलिए बता देना चाहते हैं कि पहले कोई काम नहीं होता था। रात में कोई बाहर नहीं निकल पाता था। आने-जाने का रास्ता नहीं था। पढ़ाई और इलाज की सुविधा नहीं थी। कहीं कोई इंतजाम नहीं था।

लालू-राबड़ी के शासन को बताया जंगल राज

नीतीश कुमार ने लालू राबड़ी के पंद्रह साल के शासन काल की तुलना जंगल राज से की। उन्होंने लालू-राबड़ी के शासन को जंगल राज की संज्ञा दी। वहीं उन्होंने कहा कि लालू राबड़ी को इतना बच्चा पैदा करना चाहिए? कोई इतना बच्चे पैदा करता है।

तेजस्वी पर भी जमकर साधा निशाना

नीतीश कुमार कटिहार के डडखोड़ा प्रखंड के डुमरिया में एनडीए के जदयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में उनहोंने इशारे-इशारे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा।

रामनवमी हिंसा पर बंगाल में कार्रवाई

पुलिस अफसरों को किया निलंबित चुनाव संबंधी कार्यों पर लगाई रोक

2 पुलिस अफसरों पर चुनाव आयोग का एक्शनः डीजीपी

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी पर जुलूस निकाले जाने के दौरान हुई हिंसा को रोकने में कथित तौर पर नाकाम रहने को चुनाव आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने दो पुलिस थानों के प्रभारियों को निलंबित कर दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार निर्देशों के बावजूद शक्तिपुर और बेलडांगा पुलिस थानों के प्रभारी 'धार्मिक हिंसा' को रोकने में विफल रहे। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों अधिकारी जिला पुलिस मुख्यालय में रहेंगे और चुनाव संबंधी कोई भी कार्य नहीं कर पाएंगे।

पूर्वी मेदिनीपुर में भी हिंसक झड़प हुई थी

रामनवमी के अवसर पर केवल मुर्शिदाबाद ही नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में भी हिंसक झड़प देखने को मिली थी। यहां पर हुई हिंसा में तकरीबन 4 लोग घायल हो गए। भाजपा ने आरोप लगाया कि शोभायात्रा पर पत्थर बरसाए गए। पुलिस को भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े थे।

नंदीग्राम में भाजपा का दफ्तर जलाने का आरोप

भाजपा ने आरोप लगाया कि 5 लोगों को अरेस्ट किया गया है। भाजपा की उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल मौके पर पहुंची और पार्टी कार्यकर्ताओं को तुरंत छोड़ने की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने टायर जलाए। बेल्डा-कांठी के रास्ते को बंद कर रातभर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम में भाजपा का दफ्तर जला दिया गया।

शराब घोटाला मामला

पूर्व आईएएस टूटेजा व बेटा को ईडी ने लिया हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू कार्यालय में बयान दर्ज कराने पहुंचे पूर्व आईएस अनिल टूटेजा और उनके बेटे यश टूटेजा को ईडी ने पूछताछ करने शनिवार को हिरासत में लिया है।

ईडी के टीम ने बाप-बेटे को ईओडब्लू ऑफिस में बयान दर्ज कराने के बाद कार्यालय से बाहर निकलने के दौरान हिरासत में लिया है। हिरासत में लेने के बाद ईडी के टीम पूर्व आईएएस तथा उनके बटे को पूछताछ करने पचपेड़ी नाका स्थित सब जोनल कार्यालय लेकर गई। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों शराब घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के आरोपों को खारिज करते हुए मनी लांड्रिंग के केस को रद्द कर दिया था। इसके बाद ईडी ने शराब घोटाला मामले में नए सिरे से इन्फोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) रजिस्टर्ड कर मामले की नए सिरे से जांच कर रही है। नए ईसीआईआर में अनिल टूटेजा तथा उनके बेटे का भी नाम शामिल है। इसी सिलसिले में ईडी की टीम ने पूर्व आईएएस तथा उनके बेटे को हिसारसत में लिया है।

बीफ शॉप पर अकबरुद्दीन ने लगाया जिंदाबाद का नारा

सीतारमण बोलीं-दोनों भाई 'अभद्र' बयान देने के एक्सपर्ट

वित्त मंत्री निर्मला ने कहा कि मुझे उनके ऐसे बयानों पर हैरानी नहीं होती

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के चुनाव प्रचार का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया है। साथ ही ओवैसी को सीख भी दी है।

सीतारमण ने असदुद्दीन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके राजनीतिक बयान हमेशा अभद्र होता है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुझे उनके ऐसे बयानों पर हैरानी नहीं होती है। सीतारमण ने कहा कि उनके छोटे भाई (अकबरुद्दीन ओवैसी) भी, जो विधायक हैं, ऐसे बयान देने में एक्सपर्ट हैं।

दुकान पर लिखा है- रेहान बीफ शॉप

सीतारमण ने कहा कि मुझे इन लोगों के बयानों पर आश्चर्य नहीं होता है, क्योंकि असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई इसी तरह के भड़काऊ बयान देते रहते हैं। गौरतलब है कि वायरल वीडियो में एआईएमआईएम सांसद अपने चुनाव प्रचार के दौरान मांस की एक दुकान पर जाते दिखते हैं। वीडियो के अनुसार इस दुकान पर रेहान बीफ शॉप लिखा है।

माधवी लता दे रहीं उनको चुनौती

तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से 4 बार के सांसद असदुद्दीन ओवैसी चुनावी मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा ने सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदूवादी चेहरे के तौर पर पहचान रखने वालीं माधवी लता को टिकट दिया है। इन दोनों नेताओं के बीच लगातार जुबानी जंग छिड़ी हुई है। तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों पर 13 मई को चौथे चरण में वोटिंग होनी है।

चलते-चलते उन्होंने कहा कि काटते रहो

वीडियो के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी इस दुकान पर पहुंचने के दौरान बोर्ड पर लिखा नाम पढ़ते हैं। इसके बाद वो कहते नजर आते हैं कि रेहान बीफ शॉप जिंदाबाद। चलते-चलते उन्होंने कहा कि काटते रहो आप।

गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई

पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मलामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।

जैसे जैसे सोना चकमकता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

निवेशकों को क्या करना चाहिए

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

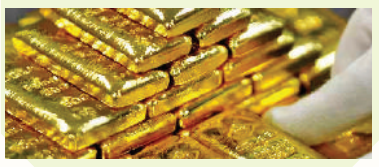

सोने में निवेश के तरीके

फिजिकल गोल्ड

सोने की सलाखें और सिक्के: यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

सोने की जूलरी: आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

पेपर गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड: ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ): ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन: ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

डिजिटल गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले ऐप्स: कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी: *कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।

टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव
बिजनेस डेस्क

मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स ने निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

मल्टी कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप फोकस्ड फंड : ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि वे लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण वे तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि करा सकते हैं।

मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड: ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण वे पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाइ करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

ईएलएसएस फंडों ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट
बिजनेस डेस्क

पेश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये

एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये

डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

बिजनेस डेस्क

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरूरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।
- किसी बिजनेस को फाइनेंस करने या किसी निवेश को करने के लिए लिया जा सकता है।

तैयारी बच्चे भी टैक्स बचाने में कर सकते हैं मदद, ऐसे समझें गणित

टैक्स बेनिफिट फायदा उठाकर वित्तीय बोझ कर सकते हैं कम

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो। छोटे बच्चों के कारण पेरेंट्स को मिलने वाले टैक्स बेनिफिट के बारे में समझकर और उनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर परिवार के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम किया सकता हैं। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सकत हैं। परिवार का टैक्स बचाने में आपके बच्चे भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप पैरेंट्स बनने के बाद ज्यादा से ज्यादा टैक्स में छूट का लाभ पा सकते हैं।

बच्चों की फीसः नर्सरी से पोस्टग्रेजुएशन तक

- नौकरी पेशा वाले टैक्सपेयर्स अपने बच्चों की शिक्षा लागत में मदद करने के लिए कॉस्ट ऑफ कंपनी (सीटीसी) स्ट्रक्चर के हिस्से के रूप में आयकर अधिनियम की धारा 10(14) के तहत कुछ भत्ते के हकदार हैं। इनमें भत्तों में शिक्षा और हॉस्टल खर्च शामिल है।
- **बच्चों की शिक्षा भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 100 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,400 रुपये सालाना तक।
- **बच्चों की हॉस्टल भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 300 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,600 रुपये सालाना।

ट्यूशन फीस पर भी छूट : इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए भुगतान की गई ट्यूशन फीस इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। माता-पिता अलग से सालाना 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह टैक्स डिडक्शन भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो बच्चों तक के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस को कवर करती है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह कटौती ट्यूशन फीस के लिए विशिष्ट है और इसमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं, जैसे कि पार्ट-टाइम या इंटरनेशनल कोर्स पाठ्यक्रमों के लिए।

सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

एजूकेशन लोन

एजूकेशन लोन पर ब्याज के बिना किसी ऊपरी सीमा के धारा 80ई के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए पात्र है। यह प्रावधान विशेष रूप से हायर इनकम वाले परिवारों के लिए फायदेमंद है और यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद हायर एजुकेशन का सपना पहुंच के भीतर बना रहे। बच्चे की पढ़ाई के लिए आप एजुकेशन लोन लेकर सेक्शन 80ई के तहत टैक्स बचा सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस पर

इनकम टैक्स की धारा 80डी बच्चों के लिए भुगतान किए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ देती है। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बच्चे, पत्नी और खुद यानी परिवार के लिए टैक्स डिडक्शन की ऊपरी लिमिट 25,000 रुपये है। इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत बच्चे वाला परिवार 25,000 रुपये तक के टैक्स डिडक्शन के लिए क्लेम कर सकता है। इसके अलावा कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस कवर अतिरिक्त 5,000 रुपये तक का क्लेम सुनिश्चित करता है। यह कवरेज होने पर परिवार बच्चों के प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के लिए 5,000 तक की सब-लिमिट का दावा भी कर सकते हैं।

इन पर भी राहत

इसके अलावा, सेक्शन 80डीडी और 80डीडीबी विकलांग या विशिष्ट बीमारियों वाले बच्चों के मेडिकल ट्रीटमेंट पर होने वाले खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन मिलते हैं। धारा 80डीडी के तहत, विकलांग बच्चों के चिकित्सा उपचार और रखरखाव से संबंधित खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन का दावा किया जा सकता है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	7	6	1	12
हैदराबाद	7	5	2	10
कोलकाता	6	4	2	8
चेन्नई	7	4	3	8
लखनऊ	7	4	3	8
मुंबई	7	3	4	6
दिल्ली	8	3	5	6
गुजरात	7	3	4	6
पंजाब	7	2	5	4
बेंगलोर	7	1	6	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
361 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
13 विकेट
मुंबई

खबर संक्षेप

लड़कियों को खेलों में बढ़ावा दें : तेंदुलकर

रांची। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अभिभावकों से लड़कियों को खेलों में उतरने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उनके चेहरों पर मुस्कुराहटें लाएंगी। तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि यहां युवा फाउंडेशन की फुटबॉल खिलाड़ी लड़कियों की हौसलाअफजाई के लिए आए हैं। युवा और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर लड़कियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं। तेंदुलकर और अंजलि ने फुटबॉल खिलाड़ियों से बात भी की।

रूड और सिटसिपास सेमीफाइनल में पहुंचे

बार्सीलोना। कैस्पर रूड और स्टेफानोस सिटसिपास ने बार्सीलोना ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया

और दोनों की टक्कर लगातार दूसरे फाइनल में हो सकती है। रूड ने मात्तेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-3 से हराकर सत्र में 27वीं जीत दर्ज की। वहीं सिटसिपास ने फाकुंडो डियाज को 4-6, 6-3, 7-6 से मात दी। रूड का सामना अब थॉमस मार्टिन ई से होगा जिन्होंने कैमरन नॉरी को 7-6, 7-6 से हराया। वहीं सिटसिपास की टक्कर डुसान लाजोविच से होगी जिन्होंने आर्थर फिल्स को 6-4, 3-6, 6-2 से मात दी।

राहुल, ऋतुराज पर लगा 12-12 लाख जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर आईपीएल के मैच

के दौरान धीमी ओवरगति के लिये 12-12 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ ने अपने मैदान पर खेलते हुए चेन्नई को शुक्रवार को आठ विकेट से हराया। आईपीएल की आचार संहिता के तहत धीमी ओवरगति का इन टीमों का यह पहला अपराध था तो राहुल और ऋतुराज पर जुर्माना लगाया गया।

फिटनेस बना मसला पर धोनी का दिमाग एकदम चुस्त, लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध उथप्पा

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

महेंद्र सिंह धोनी के लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के इस महान क्रिकेटर का दिमाग अभी भी उतना ही चुस्त है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनके लंबे सफर पर विराम सिर्फ फिटनेस की वजह से लग सकता है। धोनी ने इस आईपीएल सत्र में जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई के लिए कई मैचों में ताबड़तोड़ रन बनाए हैं।

उथप्पा ने कहा, 'सिर्फ एक ही चीज उन्हें रोक सकती है, स्वास्थ्य। फिटनेस की वजह से ही शायद वे आगे नहीं खेलें। खेल के लिए उनका जुनून काफी गहरा है और वह खेलते रहना चाहते हैं। अगर कुछ उन्हें रोक सकता है तो वह उनका अपना शरीर है।

गेंदबाजों पर बनाते हैं दबाव

' धोनी की आक्रामक पारियों के बारे में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा, 'दर्शकों का शोर और तेज होता जा रहा है। एम एस धोनी की मैदान पर मौजूदगी का यह जलवा है। हर पारी में वह और बेहतर खेल रहे हैं। उनका प्रभाव ऐसा है कि वह मैदान पर उतरते ही गेंदबाजों पर दबाव बनाते हैं।'

चेन्नई के दिल की धड़कन हैं धोनी

महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स के 'दिल की धड़कन' बताते हुए कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि घुटने की चोट से उबरने के बाद वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते लिहाजा शानदार फॉर्म के बावजूद उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर नहीं भेजा जा सकता। 42 वर्ष के धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शुक्रवार को नौ गेंद में 28 रन बनाए लेकिन उनकी टीम आठ विकेट से हार गई। धोनी के फॉर्म के बारे में फ्लेमिंग ने कहा, 'यह प्रेरणास्पद है ना। अभ्यास के दौरान भी वह बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे। उनके घुटने में दर्द है और वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं।'

ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना चाहिए

जहां एक तरफ खेल प्रेमी महेंद्र सिंह धोनी के बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बल्लेबाजी करने की मांग कर रहे हैं तो वहीं ब्रायन लारा को लगता है कि इस करिश्माई खिलाड़ी से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद करेंगे? टीम प्रबंधन भी धोनी को ऊपरी क्रम में खिलाना पसंद करेगा लेकिन वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर लारा जानते हैं कि 42 वर्षीय धोनी को घुटने की समस्या है जिससे वह ज्यादा लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते इसलिए वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी की बात पर विचार नहीं करेंगे। घुटने की समस्या के अलावा धोनी उम्र के ऐसे पड़ाव में हैं जहां वह युवाओं को अपनी काबिलियत साबित करने का मौका देना चाहेंगे।

हैदराबाद की लगातार चौथी जीत, नटराजन को 4 विकेट

हेड की ताबड़तोड़ पारी के दम पर सनराइजर्स ने कैपिटल्स को हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की ताबड़तोड़ पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए महज 38 गेंद में 131 रन की साझेदारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग टी-20 मैच में शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 67 रन से शिकस्त दी। सनराइजर्स हैदराबाद ने सात विकेट पर 266 रन का बड़ा स्कोर खड़ करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स को 19.1 ओवर में 199 रन पर आउट कर सात मैच में पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत से टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी।

दिल्ली की यह आठ मैचों में पांचवीं हार है और टीम तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। दिल्ली के लिए जैक फ्रेजर गुर्क ने 18 गेंद में 65 जबकि अभिषेक पोरेल ने 22 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए महज 30 गेंद में 84 रन की साझेदारी कर सनराइजर्स के गेंदबाजों को परेशान किया। इस साझेदारी के टूटने के बाद दिल्ली के बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सके। कप्तान ऋषभ पंत ने 35 गेंद में 44 रन का योगदान दिया।

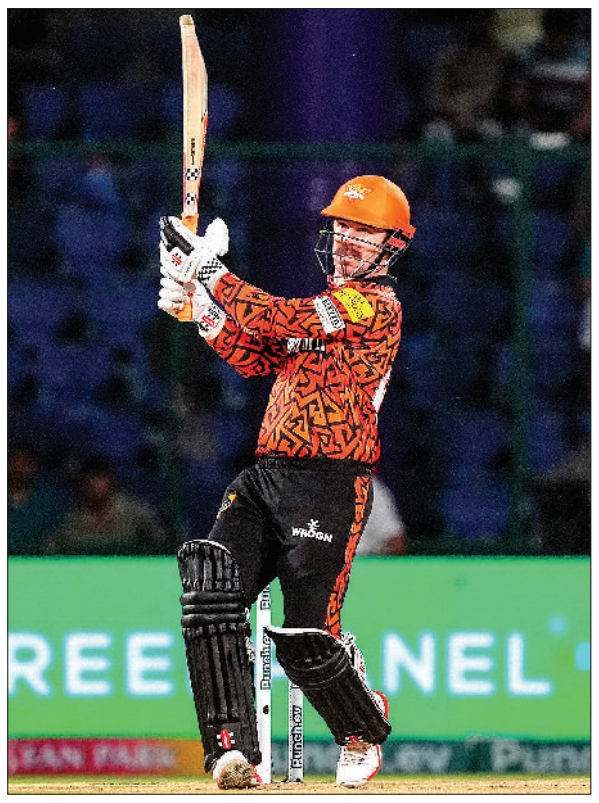

सनराइजर्स के लिए टी नटराजन ने चार ओवर में सिर्फ 19 रन देकर चार और मयंक मार्कंडेय ने दो ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिये। नीतिश कुमार रेड्डी ने भी दो विकेट चटकाये। हेड ने 32 गेंद की पारी में 11 चौके और छह छक्कों की मदद से 89 रन बनाये जबकि अभिषेक ने महज 12 गेंद की पारी में दो चौके और छह छक्कों की मदद से 46 रन जड़ दिये।

हैदराबाद-266/7 (20)

खिलाड़ी	रन
हेड का स्टब्स बो कुलदीप	89
अभिषेक का अक्षर बो कुलदीप	46
मार्कराम का अक्षर बो कुलदीप	01
हेनरिच क्लासेन बो अक्षर	15
नीतिश रेड्डी का वार्नर बो कुलदीप	37
शाहबाज अहमद नाबाद	59
समद का नोर्किया बो मुकेश	13
पैट कमिंस रन आउट	01
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	00
अतिरिक्त: 05	
कुल योग: (20 ओवर में सात विकेट पर) 266 रन	

गेंदबाजी: खलील 3-0-51-0, ललित 2-0-41-0, नोर्किया 3-0-31-0, कुलदीप 4-0-55-4, मुकेश 4-0-57-1, अक्षर 4-0-29-1

दिल्ली-199/10 (19.1)

खिलाड़ी	रन
पृथ्वी साव का समद बो सुंदर	16
वार्नर का कमिंस बो भुवनेश्वर	01
गुर्क का क्लासेन बो मार्कंडेय	65
पोरेल स्टं. क्लासेन बो मार्कंडेय	42
स्टब्स का शाहबाज बो रेड्डी	10
ऋषभ पंत का नटराजन बो रेड्डी	44
ललित यादव बो नटराजन	06
पटेल का कमिंस बो नटराजन	06
नोर्किया बो नटराजन	00
कुलदीप पगबाधा नटराजन	00
मुकेश कुमार नाबाद	00
अतिरिक्त: 08	
कुल योग: (19.1 ओवर में सभी आउट) 199 रन	

गेंदबाजी: सुंदर 2-0-46-1, भुवनेश्वर 4-0-33-1, कमिंस 4-0-35-0, नटराजन 4-0-19-4, मार्कंडेय 2-0-26-2, शाहबाज 1-0-22-0, रेड्डी 2.1-0-17-2

बेंगलोर के सामने केकेआर की चुनौती

कोलकाता। हार दर हार से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है। लगातार पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे।

जीत की राह पर लौटने उतरेंगे पंजाब-गुजरात

मुल्लांपुर। लगातार हार के बाद अंकतालिका में नीचे खिसकी पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को जब आमने सामने होंगी तो दोनों का इरादा जीत की राह पर लौटने का होगा। पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटंस पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हारने के बाद आठवें स्थान पर खिसक गई है। दिल्ली ने उसे 89 रन पर समेट दिया था और चार मैचों में यह उसकी तीसरी हार थी। पंजाब किंग्स नौवे स्थान पर है जिसे मुंबई इंडियंस ने नौ रन से हराया।

खास खबर

मनु का शानदार प्रदर्शन अनीश पुरुष वर्ग में जीते

नई दिल्ली। मनु भाकर ने ओलंपिक चयन ट्रायल वन में महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह अंक से विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जबकि अनीश भानवाला ने पुरुषों का 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल ट्रायल जीता। ओलंपियन मनु ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच रैपिड फायर शॉट की दस सीरिज में 47 अंक बनाए। ईशा सिंह सातवीं सीरिज के बाद बाहर हो गई थी। ईशा अभी भी महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में आगे हैं जिन्होंने क्वालीफाइंग में 585 अंक बनाए। मनु दूसरे स्थान पर है जबकि सिमरनप्रीत, अभिंध्या और रिदम सांगवान उनसे पीछे हैं। पुरुषों के रैपिड फायर पिस्टल में अनीश शीर्ष पर रहे जबकि विजयवीर सिद्धू उनसे छह अंक पीछे रहे।

60 घंटे शतरंज खेलने का बनाया रिकॉर्ड

न्यूयार्क। नाइजीरिया के शतरंज चैंपियन और अधिवक्ता टुंडे ओनाकोया ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिए न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में 60 घंटे तक लगातार शतरंज खेला। ओनाकोया (29 वर्ष) को बुधवार को शुरू हुए रिकॉर्ड प्रयास के जरिए पूरे अफ्रीका में बच्चों की शिक्षा के लिए 10 लाख डॉलर जुटाने की उम्मीद है। ओनाकाया एक बाल शिक्षा अधिवक्ता हैं, उन्होंने 58 घंटे तक शतरंज खेलने के लिए तैयारी की थी, लेकिन शनिवार सुबह करीब 12:40 बजे 60 घंटे तक शतरंज खेलते रहे। इस तरह उन्होंने 56 घंटे नौ मिनट और 37 सेकंड के मौजूदा शतरंज मैराथन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो 2018 में नार्वे के हॉलवर्ड हॉग फ्लैटबो और सजुर फर्किगस्टेड ने बनाया था।

विनेश ने भारत के लिए जीता ओलंपिक कोटा

■ 50 किग्रा वर्ग में एक भी अंक गंवाए बिना फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| बिश्केक

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में एक भी अंक गंवाए बिना फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक का कोटा पक्का कर लिया। यह पेरिस ओलंपिक के लिए भारत का दूसरा कोटा है। उनसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था। यह 29 साल की विनेश का लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा है। उन्होंने इससे पहले रियो ओलंपिक(2016) और टोक्यो ओलंपिक (2020) में भी हिस्सा लिया था। विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

अंशु व मानसी और रीतिका से भी उम्मीद

फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को अपने देश के लिए कोटा मिलेगा। भारत अंशु मलिक (57 किग्रा), मानसी अहलावत (62 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा) के जरिए तीन और कोटे हासिल कर सकता है क्योंकि ये भी अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। विश्व चैंपियनशिप 2021 रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उसने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिम्बेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। अंडर 23 विश्व चैंपियन रीतिका (76 किलो) ने युंजू हवांग को हराया। पहला दौर उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता पर जीता। इसके बाद मंगोलिया की दावानासान एंख एमार को भी इसी तरह से मात दी। चीन की जुआंग वांग के खिलाफ आखिरी ग्रुप मुकाबले में उन्होंने 8-2 से जीत दर्ज की। मानसी अहलावत (62 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई जिसके लिए उन्हें महज एक मुकाबला जीतने की जरूरत थी।

राहुल, डिकॉक ने की विश्व स्तरीय बल्लेबाजी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटोन डिकॉक की 'विश्व स्तरीय' बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाने में मदद मिली। जीत के लिए 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राहुल (82) और डिकॉक (54) की पारियों के दम पर लखनऊ ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हेनरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'बल्लेबाजी की बात करें तो सलामी साझेदारी बेहतरीन रही। केएल और क्विंटोन ने मैच का रुख हमारी तरफ कर दिया।

स्टटगार्ट ओपन...

स्टटगार्ट। जर्मनी के स्टटगार्ट में पोर्श एरेना में पोर्श टेनिस ग्रां प्री स्टटगार्ट 2024 के छठे दिन शनिवार को सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना के खिलाफ पोलैंड की इगा स्विएटेक ने शानदार चुनौती पेश किया।

क्विंटल एआरआरसी में 11वें स्थान पर रहे

नई दिल्ली। होंडा रेसिंग इंडिया के केविन क्विंटल शनिवार को चीन में एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) के दौरान दूसरे दौर की पहली रेस में 11वें स्थान पर रहे। क्विंटल ने इस तरह होंडा टीम को पांच अंक दिलाये जबकि उनके साथी मोहसिन 20वें स्थान पर रहे। ग्रिड पर 15वें स्थान से शुरुआत करते हुए क्विंटल ने अंतिम लैप में तेजी पकड़ी और 19:03.094 सेकेंड के समय से 11वें स्थान पर रहे। मोहसिन ने 19:25.863 सेकेंड का समय लिया और 20वें स्थान पर रहे। लेकिन टीम के लिए कोई अंक नहीं जुटा सके।

मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया

डेविड और पोलार्ड पर सूर्या की मदद करने के लिए लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर 18 अप्रैल को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

यह जुर्माना मैच का एक वीडियो वायरल होने के कारण खड़े हुए विवाद के बाद लगाया गया है। इस वीडियो में दिख रहा था कि पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के सदस्य और सहयोगी स्टाफ कथित रूप से बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रिव्यू लेने के लिए कह रहे थे जो

आईपीएल की आचार संहिता के खिलाफ है। आईपीएल ने कहा, 'डेविड और पोलार्ड ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के अंतर्गत लेवल एक का अपराध किया है। डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दोनों ने उल्लंघन स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी द्वारा लगाया जुर्माना स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है।'

जानता था कि नारायण टी 20 का महान क्रिकेटर बनेगा : गंभीर

कोलकाता। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सुनील नारायण को इंडियन प्रीमियर लीग का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि जब उसने 2011 में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था तो उन्हें अंदाजा हो गया था कि वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी टी20 क्रिकेट का महान क्रिकेटर बनेगा। गंभीर ने 'केकेआर नाइट्स डगआउट पोडकास्ट' में कहा, 'मेंने सात या आठ गेंदों का ही सामना किया होगा और मुझे लगा कि यह खिलाड़ी खेल का महान क्रिकेटर बनेगा, विशेषकर टी20 क्रिकेट में। देखिए अब सुनील नारायण कहां हैं? शायद वह आईपीएल इतिहास का सबसे महान गेंदबाज है।'

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

समस्या बताएं तुरंत समाधान पाये

नौकरी, व्यापार, मनचाहा प्यार, शादी, ग्रहकलेश, पति पत्नी में अनबन, सौतन–दुश्मनो से छुटकारा, मुकदमा रूठो को मनाना, तलाक में बाधा, बनते–बनते काम बिगड़ जाना, लव मैरिज आदि

दीपक शास्त्री

E-13, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली–59

8586896357

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार–पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक गुरु भवानी जी

खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर

आपके विश्वास का एक ही नाम 21 सालों से एक ही स्थान पर

स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी

लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि

9988289203

सूरज उगल रहा आग: 12 राज्यों में हीटवेव, तापमान 43 डिग्री पार

नई दिल्ली में पड़ रही झुलसाने वाली तेज गर्मी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मप्र समेत देश के 12 राज्यों में हीटवेव (लू) चलेगी। इनमें बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात और तमिलनाडु शामिल हैं।

यहां हीटवेव की स्थिति 3 से 4 दिनों तक जारी रहेगी। मौसम विभाग ने 17 राज्य में बारिश का अनुमान भी लगाया है। इनमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक शामिल हैं।

आने वाले 4 दिनों तक तपाता रहेगा मौसम

- **बिहार:** 13 जिलों में लू का यलो अलर्ट, यहां अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
- **झारखंड:** राज्य के 13 जिले हीट वेव की चपेट में हैं। यहां का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है।
- **छत्तीसगढ़:** रायपुर-दुर्ग संभाग में लू का अलर्ट, 6 जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री पार

23 राज्यों में अच्छी बारिश

मौसम विभाग का अनुमान- मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 20 राज्यों में अच्छी बारिश होगी। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। 2024 में 106% यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। वहीं वेदर एजेंसी स्काईमेट इस साल राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 23 राज्यों में अच्छी बारिश होने का अनुमान जता रहा है। इस बार मानसून सामान्य रहेगा। यानी जून से सितंबर तक 4 महीने में औसत या सामान्य बारिश होगी। मौसम विभाग 96 से 104 फीसदी के बीच बारिश को औसत या सामान्य मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है।

लू से बचने स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह

लू से बचने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गाइडलाइंस जारी की गई है, जिसे आप जरूर फॉलो करें। पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें। गर्मी से बचने के लिए सांस लेने योग्य, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय धूप का चश्मा, छाता या टोपी और उसके उपयुक्त जूते पहनकर रखें। अधिक प्रोटीन वाले भोजन से दूर रहें और बासी भोजन का सेवन करने से बचें। शराब, चाय, कॉफी और सोडा जैसे पेय प्रदार्थों को पीने से बचें।

हमले के पीछे इजराइल के होने के सबूत नहीं मिले, दोनों में जुबानी जंग छिड़ी

ईरान की खुली धमकी: बोला- जांच में कुछ मिला तो छोड़ेंगे नहीं, इजराइल ने साधी चुप्पी

अमेरिका भी किसी हमले में शामिल होने से पहले ही कर चुका है इनकार

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान पर हुए हमले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ होने के सबूत नहीं मिले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमले की कोशिश की, तो ईरान तुरंत और मुंहतोड़ जवाब देगा। वहीं इजराइल की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है।

ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। ईरान अधिकारियों का कहना है कि कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

खास बातें

ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया था

गत दिवस पर ईरान पर हुआ था जोरदार हमला, ईरान जुटा रहा सबूत

ईरान में धमाकों की आवाज

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन ने बताया कि ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया गया था। अमीराब्दोल्लाहियन ने कहा कि वो ड्रोन्स बच्चों के खिलौनों जैसे थे, जिनसे हमारे बच्चे खेलते हैं।

ईरान की इजराइल को धमकी

ईरान के विदेश मंत्री ने इजराइल को धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल फिर से कोई गड़बड़ी करता है तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। ईरान के किसी ठिकाने पर हमले की कोई जानकारी नहीं है।

कुछ उग्रवादियों द्वारा ये ड्रोन्स उड़ाने की आशंका

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इस हमले के पीछे इजराइल के सबूत नहीं मिले हैं। मामले की जांच चल रही है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

यह है ईरान और इजराइल के बीच तनाव का मामला

ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इजराइल पर लगाया था। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इजराइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे। इसके बाद, बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोंस इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाई थीं। वहीं, हाल ही में इस्राइल ने पलटवार किया।

इराक में ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों पर 5 धमाके

बगदादा। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। लगातार दोनों देश एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। इस बीच इराक में शनिवार को ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों 5 धमाके हुए। इसमें कम से कम 3 लोग घायल हो गए। हालांकि, अभी तक धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। विस्फोट विशेष रूप से पॉपुलर मोबिलाइजेशन यूनिट्स (पीएमयू) से संबंधित एक जगह पर हुए। बेबीलोन गवर्नरेट के उत्तर में राजमार्ग पर अल-मशरौ जिले के कलसू सैन्य अड्डे पर हुए धमाकों की जांच चल रही है।

खतरों से निपटने नासा करेगा अरबों खर्च

मंगल से आ सकते हैं महामारी के वायरस, फिर दुनिया पर 'संकट'

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

स्पेस से हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है, वह पृथ्वी पर पैदा किए हुए हथियार ही नहीं बल्कि दूसरे ग्रह, क्षुद्रग्रह, या उलकापिंड के जरिए आए खतरनाक और जानलेवा सूक्ष्मजीव भी हो सकते हैं।

यह आशंका मंगल जैसे ग्रह से आने वाले नमूनों के लिए ज्यादा जाहिर की जाती है। नासा इस तरह के खतरों से निपटने अरबों डॉलर खर्च करेगा। इसके संभावित खतरों से निपटना जरूरी है।

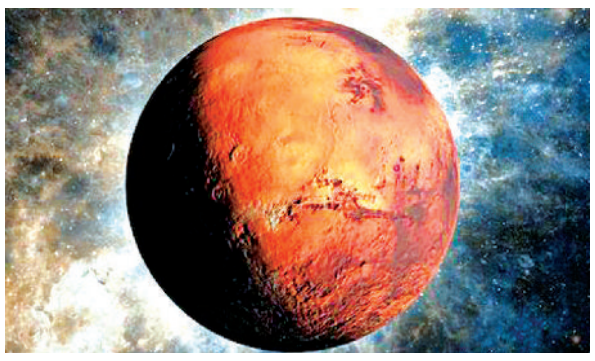

बजट बढ़ाने की कोशिश कर रहा नासा

नमूने लौटाने के लिए नासा के अरबों डॉलर के बजट के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष संगठन के पास 11 अरब डॉलर (£8.8 बिलियन) से भी कम है। बजट का एक हिस्सा संभवतः एस्ट्रोबायोडिफेंस समूह के लिए आरक्षित किया जाएगा क्योंकि शलाला और बूक्स का दावा है कि नासा को अपना पैसा एक समूह में निवेश करना चाहिए।

बड़े पैमाने पर फैल सकते हैं रोगाणु

लाल ग्रह की सतह से लिए गए नमूनों को कुछ विवादों का सामना करना पड़ा है क्योंकि सार्वजनिक निकायों ने चेतावनी दी है कि उन वस्तुओं से जुड़े पारिस्थितिक रूप से भूखे रोगाणु हमारे ग्रह पर बड़े पैमाने पर फैल सकते हैं। किसी भी संभावित जैविक परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जैवरक्षा पर द्विदलीय आयोग पहले ही स्थापित किया जा चुका है।

श्रद्धालुओं में भारी उत्साह

चारधाम के लिए अब तक 10.66 लाख पंजीकरण

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। 10 मई से शुरू होने वाली यात्रा में केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक पंजीकरण तीर्थयात्रियों ने कराया है। केदारनाथ के लिए अब

तक तीन लाख 52 हजार 879 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। दरअसल,चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब के लिए 19 अप्रैल

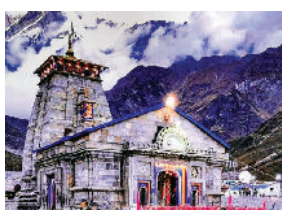

शाम छह बजे तक कुल 1066157 पंजीकरण हुए हैं। चारधाम और हेमकुंड साहिब के लिए 159054 तीर्थयात्री प्रतिदिन पंजीकरण करवा रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल सुबह सात बजे से प्रारंभ किए गए थे।

पाक के विनाशक मिसाइल बनाने के प्लान को रोकने अमेरिका ने उठाया बड़ा कदम

चीन की 3 और बेलारूस की एक कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका ने पाक के मिसाइल के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने पर चीन की 3 और बेलारूस की 1 कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जिन कंपनियों पर पाबंदी लगाई गई है, उनमें मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट, शीआन लोंगडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और ग्रैनपेक्ट कंपनी शामिल हैं।

चीन कर रहा था आपूर्ति

चीन स्थित शीआन लोंगडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड ने पाक की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए फिलामेंट वाइंडिंग मशीन सहित कई उपकरणों की आपूर्ति की। तियानजिन क्रिएटिव सोर्स कंपनी ने पाक को स्टिर वेल्डिंग उपकरण की आपूर्ति की है।

बेलारूस ने दी वाहन की चेसिस

बेलारूस की कंपनी मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए विशेष वाहन चेसिस की आपूर्ति की। इसका उपयोग पाक के राष्ट्रीय विकास परिसर द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण के लिए इस्तेमाल कर सकता है।

नेहा मर्डर केस: सूबे में बवाल, सिद्धारमैया बोले- यह निजी कारण

आरोपी की मां बोली- दोनों करते थे प्यार, वह आईएएस बनाना चाहती थी!

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के हुबली जिले के विद्यानगर में हुए नेहा हिरेमत मर्डर केस की वजह से पूरे सूबे में बवाल हो रहा है। लोग इसे लव जिहाद का मुद्दा बताकर गुनहगार को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं।

नेहा के परिजनों ने कहा है कि उनकी बेटी के साथ जो हुआ वैसा किसी और के साथ नहीं होना चाहिए। उधर आरोपी की मां ने लव जिहाद से साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि नेहा और फैयाज एक-दूसरे से प्यार करते थे। सूबे में बवाल के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लव जिहाद के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हत्या निजी कारणों से की गई है और राज्य में कानून

व्यवस्था बिल्कुल दुरुस्त है। भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावा किया कि भाजपा गुप्त रूप से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की योजना बना रही है।

आरोपी की मां बोली-बेटे को दंड मिलना चाहिए

फैयाज की मां मुमताज ने कहा कि मैं अपने बेटे की ओर से कर्नाटक के सभी लोगों से माफी मांगती हूं। मैं लड़की के माता-पिता से भी माफी मांगती हूं। वो मेरी बेटी की तरह थी। मैं भी उसके परिवार की तरह उतना ही दुखी हूं। मेरे बेटे ने जो किया वो गलत है। इसके लिए उसे दंड मिलना चाहिए। उसने हमारा सिर शर्म से झुका दिया है। वह पांच दिन पहले (13 अप्रैल) को यह कहकर घर से निकला था कि वो घर बैठे-बैठे तंग आ गया है। नौकरी ढूंढने जा रहा है। मुझे हत्या के बारे में तब पता चला जब एक परिचित ने फोन करके मुझसे टेलीविजन चालू करने के लिए कहा।

18 अप्रैल को हुई थी घटना

दरअसल, कर्नाटक के हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में 18 अप्रैल को कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की 23 साल की बेटी नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। नेहा एमसीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थीं।

मेरा बेटा शादी करना चाहता था...

मुमताज ने कहा कि नेहा एक अच्छी लड़की थी। फैयाज और नेहा न केवल अच्छे दोस्त थे, बल्कि एक-दूसरे से प्यार भी करते थे। ये बात मुझे पिछले एक साल से पता थी। यह एकतरफा प्यार नहीं था। मेरा बेटा उससे शादी करने के लिए तैयार था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109